About the Book

यह गाइडबुक आपकी प्रतियोगी परीक्षा में सफलता पाने का सबसे अच्छा साधन है। यह पुस्तक परीक्षा के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को कवर करती है और सभी NCERT पाठ्यपुस्तकों के महत्वपूर्ण बिंदुओं को भी शामिल करती है। पिछले वर्षों के प्रश्न पत्रों के महत्वपूर्ण बिंदुओं का भी इस गाइड बुक में समावेश है, जिससे आपकी तैयारी सबसे अच्छी हो सके। हर अध्याय के अंत में, आपको पिछले प्रश्न पत्रों और अन्य विश्वसनीय स्रोतों से चुने गए अभ्यास प्रश्न मिलेंगे।

यह गाइड बुक स्व-अध्ययन के लिए बनाई गई है, जो सभी टॉपिक्स को सरल और आसान भाषा में समझाती है। अगर आप इस गाइड बुक को गंभीरता से पढ़ते हैं और पूरी करते हैं, तो आप आसानी से परीक्षा के 80% सवाल हल कर पाएंगे। हमने यह सुनिश्चित करने के लिए बहुत मेहनत की है कि यह गाइड बुक आपकी पूरी तैयारी के लिए पर्याप्त है। तो आज ही इस गाइड बुक का गहन अध्ययन करना शुरू करें और अपने सपने को हकीकत में पूरा करने की ओर एक बड़ा कदम उठाएं।

अन्य महत्वपूर्ण पुस्तकें

Buy books at great discounts on: www.examcart.in | www.amazon.in/examcart |

AGRAWAL EXAMCART
Paper Pakka Fasega!
CB1912

HSSC CET
स्टडी गाइड बुक
ISBN - 978-93-6054-729-5
₹ 499

HSSC CET स्टडी गाइड बुक

CB1912

AGRAWAL EXAMCART

AGRAWAL EXAMCART
Paper Pakka Fasega!

HSSC CET
COMMON ELIGIBILITY TEST

ग्रुप C व D के पदों हेतु

चयन परीक्षा

विगत वर्षों के पेपर्स के विश्लेषण चार्ट का समावेश

सम्पूर्ण पाठ्यक्रमानुसार

स्टडी गाइड बुक

सामान्य ज्ञान | सामान्य विज्ञान | कम्प्यूटर | हरियाणा सामान्य ज्ञान | गणित | सामान्य तार्किक योग्यता | सामान्य हिंदी | General English

मुख्य विशेषताएँ

1. HSSC CET पाठ्यक्रम एवं HSSC द्वारा आयोजित वर्ष2015 से 2022 तक की सभी परीक्षाओं के प्रश्नों पर आधारित थ्योरी
2. 2000+ अध्यायवार महत्वपूर्ण प्रश्न
3. 1 प्रैक्टिस सेट एवं 1 सॉल्व्ड पेपर

Code	Price	Pages	ISBN
CB1912	₹499	596	978-93-6054-729-5

विषय-सूची

➔ परीक्षा से सम्बन्धित महत्वपूर्ण सूचना	vii
➔ HSSSC CET के पिछले वर्ष के हल प्रश्न-पत्र का विश्लेषण चार्ट	ix
➔ HSSSC CET के पिछले वर्ष के हल प्रश्न-पत्र का पाठ्यक्रम	xii
UNIT-I : सामान्य ज्ञान	**1-100**
1. प्राचीन भारत का इतिहास	1-7
2. मध्यकालीन भारत का इतिहास	8-13
3. आधुनिक भारत का इतिहास	14-24
4. भारतीय कला एवं संस्कृति	25-27
5. भारत का भूगोल	28-40
6. भारतीय संविधान	41-59
7. भारतीय अर्थव्यवस्था	60-72
8. विविध	73-100
UNIT-II : कम्प्यूटर	**1-29**
UNIT-III : हरियाणा सामान्य ज्ञान	**1-64**
UNIT-IV : सामान्य तार्किक योग्यता	**1-56**
1. शृंखला परीक्षण	1–3
2. अंग्रेजी वर्णमाला परीक्षण	4–6
3. रक्त सम्बन्ध	7–9
4. कोडिंग-डिकोडिंग	10–14
5. दिशा परीक्षण	15–18
6. समस्या को सुलझाना	19–24
7. क्रम व्यवस्था परीक्षण	25–27
8. इनपुट-आउटपुट	28–32
9. न्याय संगत	33–36
10. तार्किक तर्कशक्ति	37–48
11. आँकड़ों की पर्याप्तता	49–52
12. गणितीय योग्यता परीक्षण	53–56
UNIT-V : सामान्य गणित	**57-126**
1. संख्या पद्धति	57–59
2. ल.स.प. एवं म.स.प.	60–62
3. वर्ग एवं वर्गमूल	63–65

4. घातांक एवं करणी 66–68
5. भिन्न एवं दशमलव संख्याएँ 69–71
6. सरलीकरण 72–73
7. औसत 74–76
8. अनुपात एवं समानुपात 77–79
9. आयु सम्बन्धी प्रश्न 80–81
10. प्रतिशतता 82–84
11. लाभ-हानि एवं बट्टा 85–87
12. साझेदारी 88–90
13. साधारण ब्याज 91–92
14. चक्रवृद्धि ब्याज 93–95
15. समय और कार्य 96–98
16. समय, चाल एवं दूरी 99–101
17. क्षेत्रमिति 102–106
18. ज्यामिति 107–111
19. त्रिकोणमिति 112–116
20. समीकरण 117–120
21. बीजगणित 121–123
22. क्रमचय-संचय तथा प्रायिकता 124–126

UNIT-VI : सामान्य विज्ञान 127-216

1. भौतिक विज्ञान 127–156
2. रसायन विज्ञान 157–182
3. जीव विज्ञान 183–216

UNIT-VII : सामान्य हिंदी 217-268

1. वर्ण विचार 217–219
2. शब्द-विचार : तत्सम-तद्भव, देशज-विदेशज शब्द आदि 220–221
3. वर्तनी 222–223
4. संधि 224–230
5. समास 231–234
6. लिंग एवं कारक 235–237
7. उपसर्ग-प्रत्यय 238–241

8. समश्रुत शब्द 242–243
9. पर्यायवाची शब्द 244–246
10. विलोम शब्द 247–248
11. वाक्यांशों के लिए एक शब्द 249–250
12. मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ 251–252
13. वाक्यगत अशुद्धियाँ 253–255
14. रिक्त स्थानों की पूर्ति 256
15. अलंकार, रस एवं छन्द 257-265
16. विविध 266-268

UNIT-VIII : General English 269-330

1. Articles 269–274
2. Pronoun 275–278
3. Adjective and Interchange of Degrees 279–282
4. Adverb 283–284
5. Preposition 285–288
6. Conjunction 289–290
7. Correct form of Verb 291–293
8. Modals Auxiliaries 294–295
9. Subject Verb Agreement 296–298
10. Word Formation and Sentence Structure 299–302
11. Punctuation 303–306
12. Active and Passive 307–312
13. Narration 313–317
14. Vocabulary : Antonyms, Synonyms, One Word Substitution, Idioms and Phrases and Spellings 318–328
15. Rearrangement of Jumbled Sentences 329–330

प्रैक्टिस सेट 1-11

■ प्रैक्टिस सेट-1 1-11

सॉल्व्ड पेपर 1-15

■ हरियाण CET (ग्रुप C व D के पदों हेतु) चयन परीक्षा, 06-11-2022 (प्रथम पाली) 1-15

परिशिष्ट **1-15**

सामान्य तार्किक योग्यता

1. सादृश्यता परीक्षण **1–4**
2. वर्गीकरण **5–7**
3. औपबन्धित संख्या, अक्षर तथा प्रतीक ज्ञात करना **8–10**

सामान्य गणित

1. मिश्रण **1–6**
2. अनुक्रम तथा श्रेढ़ियाँ **7–10**

सामान्य हिंदी

1. वाक्य : अंग भेद रचना एवं पदबंध **1–5**

General English

1. Reading Comprehension **1–6**
2. Sentence Improvement **7–8**
3. Common Errors **9–10**

अध्याय 1 प्राचीन भारत का इतिहास (Ancient Indian History)

1. सिन्धु घाटी सभ्यता (2350 ई. पू.–1750 ई. पू.) (Indus Valley Civilization)

- सिन्धु सभ्यता विश्व की प्राचीनतम सभ्यता थी जिसका विस्तार लगभग 13 लाख वर्ग किमी. में था। जिसका अन्तिम पूर्वी बिन्दु आलगीर पुर मेरठ, अन्तिम पश्चिमी बिन्दु सुत्कना डोर बलूचिस्तान, अन्तिम उत्तरी बिन्दु माण्डा जम्मू–कश्मीर तथा अन्तिम दक्षिणी बिन्दु दायमाबाद महाराष्ट्र थे।
- हड़प्पा सभ्यता विश्व की प्राचीन नदी–घाटी सभ्यताओं में से एक प्रमुख सभ्यता है, जो मुख्य रूप से दक्षिण एशिया के उत्तर–पश्चिमी क्षेत्रों में फैली है। इसकी सर्वमान्य तिथि कार्बन डेटिंग पद्धति द्वारा 2300-1750 ई.पू. मानी गई है। इस परिपक्व हड़प्पाई सभ्यता तथा सिंधु घाटी सभ्यता के अधिकतर स्थल घग्गर–हकरा नदी (सरस्वती) के (आर्द्र) तल के साथ–साथ पाये जाते हैं।
- सिन्धु सभ्यता के सबसे महत्वपूर्ण स्थानों में हड़प्पा, मोहनजोदड़ो, लोथल, कालीबंगा शामिल थे। देश के विभाजन के समय अधिकांश स्थल पाकिस्तान में चले गये।
- लोथल, कालीबंगा, रोपड़, भगवानपुरा, बनावली, रंगपुर, धोलावीरा प्रमुख स्थल है जो वर्तमान में भारत में स्थित है।
- सिन्धु समाज उचित समतावादी था। यहाँ के सुनियोजित नगरों के भवन पक्की ईंटों से बने थे तथा सड़कें समकोण पर काटती थीं। इस सभ्यता के लोगों को लोहे का ज्ञान नहीं था। यह समाज मातृ प्रधान था तथा मातृदेवी की पूजा भी की जाती थी। योनि पूजा, पशुपति पूजा के भी प्रमाण मिले हैं। इनका व्यवसाय पशुपालन भी था।
- सभ्यता की लिपि को सर्वप्रथम पढ़ने का प्रयास 1954 में हंटर महोदय ने किया था। इस लिपि को ''गोमूत्रिका शैली'' या बास्त्रोफेदन कहा जाता है। यह लिपि मूल रूप से भाव चित्रात्मक थी।
- सिन्धु के लोग कपास का उत्पादन करने वाले पहले व्यक्ति थे। इस सभ्यता में लोग घोड़े से परिचित थे। यहाँ घोड़े की अस्थियों के अवशेष सुरकोटदा (गुजरात) से प्राप्त हुए हैं। हड़प्पाकालीन लोगों द्वारा सर्वप्रथम प्रयोग होने वाला अनाज जौ था। हड़प्पाकालीन धौलावीर (गुजरात) ऐसा नगर या जो तीन भागों में विभाजित था।
  सिन्धु घाटी सभ्यता में सूती वस्त्र के अवशेष मोहनजोदड़ो से प्राप्त हुए हैं।
- लोथल और कालीबंगा से यज्ञवेदियाँ (हवनकुन्ड) प्राप्त हुए हैं।
- कालीबंगा से जुते हुए खेत के प्रमाण प्राप्त हुए हैं।
- लोथल और रंगपुर से चावल की भूसी या चावल के प्रमाण प्राप्त हुए हैं।
- कालीबंगा से अलंकृत ईंटें प्राप्त हुई हैं।
- कालीबंगा एकमात्र स्थल है जहाँ मकान कच्ची ईंटों के बने हुए थे।
- हड़प्पा से विशेष प्रकार के कब्रगाह R.37 व माउण्ड–AB प्राप्त हुए हैं।
- हड़प्पा सभ्यता का प्रिय पशु एकश्रृंगी बैल, प्रिय पक्षी फाख्ता (सफेद कबूतर) प्रिय वृक्ष पीपल और सर्वाधिक महत्वपूर्ण देवता रुद्र (शिव) थे।
- हडप्पा सभ्यता के लोग प्रकृति पूजक थे, मोहनजोदड़ो से स्त्री गर्भ से निकलता पौधा ओर कांस्य नर्तकी की प्रतिमा प्राप्त होती है।
- लोथल पश्चिमी एशिया और अफ्रीका के साथ व्यापार का प्रमुख केन्द्र था।
- सिन्धु घाटी सभ्यता के लोग शाकाहारी व माँसाहारी दोनों थे।

हड़प्पाकालीन स्थल (Harrapan Sites)

प्रमुख स्थल	उत्खननकर्ता	वर्ष	वर्तमान स्थिति
हड़प्पा	श्री दयाराम साहनी	1921	पाकिस्तान के पंजाब प्रान्त में
मोहनजोदड़ो	राखालदास बनर्जी	1922	पाकिस्तान के सिन्ध प्रान्त में
सुत्कागेंडोर	ऑरल स्टाइन	1927	बलूचिस्तान
सुतकाकोह	जॉर्ज वेल्स	1962	बलूचिस्तान
बालाकोट	जॉर्ज वेल्स	1962	बलूचिस्तान
अमरी	जे. एम. कजाक	1959-61	सिन्ध
लोथल	एस. एम. तलवार, एस. आर. राव	1953-56	अहमदाबाद (गुजरात)
कालीबंगा	बी. बी. लाल एवं वी. के. थापर	1961	गंगानगर (राजस्थान)
बनवाली	रविन्द्र सिंह विष्ट	1973-74	हिसार (हरियाणा)
कोटदीजी	फजल अहमद खाँ	1955-57	सिन्ध प्रांत (पाकिस्तान)
देसलपुर	पी. पी. पाण्डेय और एम. ए. ढाके	—	भुज जिला (गुजरात)
सुरकोटदा	जगपति जोशी	1964	कच्छ (गुजरात)
रंगपुर	माधवस्वरूप वत्स	1931	अहमदाबाद (गुजरात)
राखीगढ़ी	सूरज भान	1969	हिसार (हरियाणा)
चन्हूदड़ो	गोपाल मजूमदार व अर्नेस्ट मैके	1931	सिंध (पाकिस्तान)

2. वैदिक सभ्यता एवं संस्कृति (Vedic Civilization & Culture)

वैदिक सभ्यता–हड़प्पा सभ्यता के पतन के बाद भारत में एक नई सभ्यता का विकास हुआ, जिसे वैदिक सभ्यता का नाम दिया गया। इनकी जानकारी हमें वेदों से प्राप्त होती है। यह सभ्यता भी हड़प्पा सभ्यता के क्षेत्र में ही जन्मी और धीरे–धीरे गंगा–यमुना के मैदानों में विकसित होती चली गई।

वैदिक सभ्यता के लोगों ने देवी–देवताओं के सम्मान में ऋचाओं का निर्माण किया। इन ऋचाओं का संकलन चार वेदों (ऋग्वेद, सामवेद, यजुर्वेद और अथर्ववेद) में किया। वैदिक सभ्यता के लोग आर्य कहलाते थे।

वैदिक सभ्यता के लोग प्रारम्भ में घुमक्कड़ जीवन व्यतीत करते थे, परन्तु बाद में ये लोग बस्तियों में बसने लगे थे। आर्य समाज पितृसत्तात्मक होने के

बाद भी यहाँ स्त्रियों का सम्मान और आदर किया जाता था।

वैदिक संस्कृति—चारों वेदों यथा ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद तथा अथर्ववेद में वर्णित संस्कृति को वैदिक संस्कृति कहा जाता है। वैदिक संस्कृति के प्रणेता 'आर्य' थे। वैदिक संस्कृति को निम्नलिखित भागों में विभाजित किया जाता है—

- ऋग्वैदिक काल (1500 ई. पू. से 1000 ई. पू. तक)
- ऋग्वेद काल में स्थानीय स्वशासन की तीन इकाईयाँ थी—विधाता, सभा व समिति। विधाता धार्मिक व सेना वाले, काम, सभा—न्यायिक काम व समिति राजनीतिक कार्य करती थी।
- उत्तर वैदिक काल (1000 ई. पू. से 600 ई. पू. तक)
- वैदिक सभ्यता सरस्वती नदी के किनारे फली—फूली थी। ऋग्वेद में इस नदी को नदीतमा (पवित्र नदी) कहा गया है। ऋग्वेद के चौथे मण्डल को छोड़कर सरस्वती नदी का सभी मण्डलों में कई बार उल्लेख किया गया है।
- आर्यों के निवास क्षेत्र को सप्त सैन्धव प्रदेश कहा गया है। सप्त सिन्धु या सैंधव में प्रमुख सात नदियाँ सिन्धु, सरस्वती, सतलुज, व्यास, रावी, झेलम तथा चिनाब हैं।
- वैदिक काल में आर्यों की आर्थिक स्थिति का मूलाधार पशुधन ''गाय'' मुद्रा की भाँति समझी जाती थी।
- ऋग्वैदिक काल का सबसे महत्वपूर्ण देवता इन्द्र था। दूसरा महत्वपूर्ण देवता अग्नि था। जिसे हुताश्वन या वैश्वानर कहा जाता था।
- ऋग्वैदिक काल की सबसे पवित्र नदी सिन्धु थी दूसरा स्थान सरस्वती का था इस समय ऋग्वेद में गंगा का उल्लेख एक बार और यमुना का उल्लेख तीन बार हुआ है।
- ऋग्वैदिक काल में जाति प्रथा नहीं थी।
- ऋग्वेद के दसवें मण्डल के पुरुषसूक्त में पहली बार जाति व्यवस्था का उल्लेख हुआ है, परन्तु इस समय तक जातीय जटिलता नहीं थी।
- आर्यों का प्रिय पशु घोड़ा था।
- अथर्ववेद में कृषि सम्बन्धी क्रियाओं का उल्लेख हुआ है।
- अथर्ववेद को लौकिक साहित्य की पहली रचना माना जाता है।
- चिकित्सा, जादू टोना, शिल्प आदि क्रियाओं का उल्लेख अथर्ववेद में हुआ है।

3. वैदिक साहित्य (Vedic Literature)

वैदिक सभ्यता सरस्वती नदी के तट पर विकसित हुई।

वेद शब्द 'विद' से बना है, जिसका अर्थ **ज्ञान अथवा बुद्धिमत्ता** से होता है। इन्हें ''श्रुति'' भी कहा जाता है। वेद 04 प्रकार के हैं—

(i) ऋग्वेद, (ii) सामवेद, (iii) यजुर्वेद तथा (iv) अथर्ववेद।

ऋग्वेद, सामवेद तथा यजुर्वेद को ''वेदात्रयी'' कहते हैं।

I. वेद या मंत्र संग्रह (Vedas or Collection of Hymns)

वेदों के संकलनकर्त्ता **महर्षि कृष्ण द्वैपायन वेद व्यास** हैं।

(i) ऋग्वेद—यह प्राचीनतम वेद है तथा इसमें 1028 सूक्त तथा 10 मंडल हैं। दसवें मंडल में ही पुरुष सूक्त है जिसमें चारों वर्णों (ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र) का उल्लेख है।

गायत्री मंत्र ऋग्वेद के तीसरे मण्डल से लिया गया है जो सावित्री को समर्पित है।

(ii) सामवेद—इसमें **1549** ऋचायें हैं। इसका सम्बन्ध संगीत से है। इसके पुरोहित ''उद्गाता'' कहलाते हैं।

(iii) यजुर्वेद—इसका सम्बन्ध यज्ञों से है। इसके दो भाग हैं—कृष्ण यजुर्वेद तथा शुक्ल यजुर्वेद। इसके पुरोहित 'अध्वर्यु' कहलाते हैं।

(iv) अथर्ववेद—यह जादू—टोना तंत्र—मंत्र से सम्बन्धित है।

वैदिक यज्ञ—वैदिक यज्ञ दो प्रकार के थे वे जो गृहस्थ द्वारा किए जाते थे और दूसरे वे जिनके लिए कर्मकाण्ड के विशेषज्ञों की आवश्यकता होती है।

II. ब्राह्मण (Brahmins)

ये गद्य में रची गई टिप्पणियाँ हैं, जो संहिता के मंत्रों की उत्पत्ति और अर्थ स्पष्ट करती हैं। ये निम्न हैं—

ऋग्वेद—ऐतरेय तथा कौशीतकी

सामवेद—पंचविश षड्विश, जैमिनीय तथा छांदोग्य

यजुर्वेद—शतपथ तथा तैत्तीरीय

अथर्ववेद—गोपथ

III. आरण्यक (Aranyaks)

हर ब्राह्मण का दार्शनिक भाग, जंगलों में रहने वाले तपस्वियों के मार्गदर्शन हेतु संगृहीत है।

IV. उपनिषद् या वेदांत (Upnishads & Vedanta)

हर ब्राह्मण के अन्त में यह प्रस्तुत है। यह आर्यों के प्राचीन ग्रंथों में निहित आध्यात्मिक सिद्धान्तों का निचोड़ है। लगभग 108 उपनिषद् उपलब्ध हैं।

उपनिषद् ज्ञान के सिद्धान्त पर बल देता है।

हिन्दू धर्म के अनुसार, मनु संसार का प्रथम पुरुष था जिन्होंने वैदिक काल में वर्ण व्यवस्था का प्रतिपादन किया था।

4. धार्मिक आन्दोलन (Religious Movements)

ब्राह्मणवाद के विरुद्ध प्रतिक्रिया के रूप में छठी शताब्दी ई. पू. दो सम्प्रदायों का उदय हुआ।

यथा—जैन धर्म तथा बौद्ध धर्म।

I. जैन धर्म (Jainism)

जैन धर्म की स्थापना ऋषभदेव ने की जो जैनधर्म के प्रथम तीर्थंकर माने जाते हैं। जैनधर्म की स्थापना का वास्तविक श्रेय 24वें तीर्थंकर वर्धमान महावीर को जाता है।

- 24वें व अंतिम तीर्थंकर महावीर स्वामी का जन्म वैशाली के निकट कुण्डग्राम (वाज्जिसंघ का गणतन्त्र) में 540 ई. पू. में हुआ था। इनके बचपन का नाम वर्धमान था।
- महावीर स्वामी के पिता सिद्धार्थ तथा माता त्रिशला, जो लिच्छिवी के राजा चेटक की बहन थीं।
- महावीर स्वामी का विवाह यशोदा के साथ हुआ था। इनकी पुत्री का नाम **अनोज्जा (प्रियदर्शना)** तथा दामाद का नाम **जमालि** था।
- महावीर स्वामी को 12 वर्ष की गहन तपस्या के बाद **जुम्भिकग्राम** के समीप ऋजुपालिका नदी के तट पर साल वृक्ष के नीचे सर्वोच्च ज्ञान (कैवल्य) की प्राप्ति हुई। इसी समय महावीर स्वामी **जैन (विजेता)**, अर्हत (पूज्य) तथा निर्गन्ध (बंधनहीन) कहलाए।

- जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ द्वारा प्रतिपादित चार महाव्रत—**सत्य, अहिंसा, अपरिग्रह** तथा **अस्तेय** में महावीर स्वामी ने पाँचवाँ ब्रह्मचर्य जोड़ा।
- जैन धर्म दो पंथों में बँटा—श्वेताम्बर (श्वेत वस्त्र धारण करने वाले), दिगम्बर (नग्न रहने वाले)।
- लगभग 72 वर्ष की आयु में 468 ई. पू. में महावीर स्वामी की राजगृह के समीप **पावापुरी** (राजगीर) में मृत्यु हो गई।
- जैन धर्म के त्रिरत्न हैं—**सम्यक् दर्शन, सम्यक् ज्ञान, सम्यक् आचरण**।
- जैन धर्म को राष्ट्रकूट का संरक्षण प्राप्त था।

जैन सभाएँ
(Jain Councils)

जैनसभा	वर्ष	शासक	अध्यक्ष
प्रथम (पाटलिपुत्र)	300 ई. पू.	चंद्रगुप्त मौर्य	स्थूल भद्रबाहु
द्वितीय (बल्लभी) गुजरात	512 ई.	ध्रुवसेन	देवार्द्ध क्षमाश्रवण

II. बौद्ध धर्म (Buddhism)

गौतम बुद्ध को बौद्ध धर्म का प्रवर्तक माना जाता है। ये महावीर के समकालीन थे। ज्ञान प्राप्त करने के बाद इन्हें बुद्ध कहा जाने लगा था।

- बुद्ध का अर्थ ज्ञान प्राप्ति होता है।
- उन्होंने सांसारिक दुःखों से मुक्ति पाने के लिए 29वें वर्ष में गृह त्याग किया। इस घटना को बौद्ध ग्रंथों में **महाभिनिष्क्रमण** कहा गया है।
- कई वर्षों की तपस्या के बाद 35 वर्ष की आयु में एक दिन **बोधगया (उरूवेला)** के निकट एक पीपल के वृक्ष के नीचे उन्हें ज्ञान का बोध हुआ और तब से बुद्ध हो गये।
- उन्होंने अपना प्रथम उपदेश **सारनाथ** (ऋषिपतन) में दिया। बौद्ध परम्परा में इसे **धर्मचक्रप्रवर्तन** के नाम से जाना जाता है।
  गौतम बुद्ध द्वारा अपने धर्म में दीक्षित किया जाने वाला अन्तिम व्यक्ति सुभद्दा था।
- बिहार में स्थित प्रसिद्ध बौद्ध स्थल बोधगया, निरंजना नदी के तट पर स्थित है। इसे फाल्गु नदी भी कहा जाता है।
- महायान वर्तमान में बौद्ध धर्म की दो प्रमुख शाखाओं में से एक है, जिसका आरम्भ पहली शताब्दी के आस–पास माना जाता है। ये महात्मा बुद्ध की देवतुल्य उपासना करते थे। इस शाखा के अन्तर्गत बुद्ध की पहली मूर्ति बनी तथा बुद्ध की मूर्तिपूजा यहीं से शुरू हुई थी।
- महायान, हीनयान, स्थविर महासंधिक वज्रयान ये सभी बौद्ध धर्म सम्प्रदाय या शाखाएँ हैं।
- गौतम बुद्ध ने अपना प्रथम उपदेश सारनाथ में और सर्वाधिक उपदेश श्रावस्ती में दिया था।
- गौतम बुद्ध ने अपने उपदेश पाली भाषा और ब्राह्मीलिपि में दिये थे।
- महायान बौद्धशाखा में उपदेश की भाषा संस्कृत थी।
- बुद्ध की शिक्षाओं और संभाषणों को उनकी मृत्यु के बाद उनके शिष्यों द्वारा लिखा गया और त्रिपिटक के रूप में संकलित किया गया।
- नागार्जुन, महायान बौद्ध सम्प्रदाय के महत्वपूर्ण दार्शनिक थे। उन्हें बौद्ध धर्म की शाखा 'माध्यमिका' का प्रवर्तक माना जाता है। 'प्रज्ञापारमिता सूत्र' इनकी प्रमुख रचना है, जिसमें 'माध्यमिका दर्शन' का विवरण है। गौतम बुद्ध की माँ देवदह राज्य के शासक परिवार से जो अब उत्तर प्रदेश के महाराजगंज में हैं।

उनकी शिक्षाएँ, जिन्हें बौद्ध धर्म कहा जाता है, चार आर्य सत्यों पर आधारित हैं—

दुःख	:	संसार में दुःख है।
दुःख समुदाय	:	दुःख के कारण हैं
निरोध	:	दुःख का निवारण हो सकता है
मार्ग	:	इसके निवारण के लिए अष्टांगिक मार्ग है।

- दुःखों का अस्तित्व है।
- दुःख इच्छाओं से उत्पन्न होता है तथा अधूरी इच्छाएँ पुनर्जन्म को प्रवृत्त करती हैं।
- जब इच्छाएँ दूर हो जाती हैं तो पुनर्जन्म नहीं लेना पड़ता है, यही निर्वाण है तथा
- इच्छाओं को विचार, व्यवहार और वाणी में शुद्धता लाकर, अष्टमार्ग पर चलकर जीता जा सकता है।

बौद्ध संगीतियाँ
(Buddhist Councils)

बौद्ध संगीति	स्थान	वर्ष	शासक	अध्यक्ष
प्रथम	सप्तपर्णी गुफा (राजगृह)	483 ई. पू.	अजातशत्रु	महकस्यप
द्वितीय	वैशाली	383 ई. पू.	कालाशोक	सबकामी
तृतीय	पाटलिपुत्र	250 ई. पू.	अशोक	मोगलिपुत्र तिस्स
चतुर्थ	कुण्डलवन (कश्मीर)	72 ई.	कनिष्क	वसुमित्र (अध्यक्ष) अश्वघोष (उपाध्यक्ष)

5. संगम युग
(Sangam Age)

दक्षिण भारत में लगभग तीन सौ ईसा पूर्व से तीन सौ ईस्वी के बीच की अवधि को संगम काल या संगम युग के नाम से जाना जाता है। इस युग की अवधि पहली शताब्दी से दूसरी शताब्दी के बीच थी।

सुदूर दक्षिण के संगम युग की जानकारी का प्रमुख स्रोत संगम साहित्य है। संगम साहित्य में हमें तीन प्रमुख राज्यों—**पाण्ड्य, चोल** तथा **चेरों** के विषय में जानकारी मिलती है। ई. की प्रथम शताब्दी से तीसरी शताब्दी ई. पू. के मध्य तक 'संगम युग' का समय माना जाता है।

I. संगम साहित्य (Sangam Literature)

तमिल भाषा में उपलब्ध प्राचीनतम साहित्य 'संगम– साहित्य' है, जो तीन संगमों के उपरान्त तैयार किया गया था। ये संगम पाण्ड्य शासकों के संरक्षण में हुआ था।

(i) प्रथम संगम (First Sangam)—यह संगम पाण्ड्य शासकों के संरक्षण में उनकी प्राचीन राजधानी **'मदुरा'** में **अगस्त्य ऋषि** की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ था।

(ii) द्वितीय संगम (Second Sangam)—द्वितीय संगम को भी पाण्ड्य शासकों का सहयोग प्राप्त हुआ था। यह **कपाटपुरम्** अथवा **अलवै** में शुरू में अगस्त्य ऋषि की अध्यक्षता, लेकिन बाद में तोल्काप्पियर

की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ था।

(iii) **तृतीय संगम (Third Sangam)**—यह संगम उत्तरी **मदुरा** में **नक्कीयर** की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ था।

II. प्रमुख तमिल ग्रंथ (Famous Tamil Texts)

(i) **तोल्काप्पियम्**—यह 'द्वितीय संगम' का एक मात्र शेष ग्रन्थ है। अगस्त्य ऋषि के बारह योग्य शिष्यों में से एक 'तोल्काप्पियर' द्वारा यह ग्रन्थ लिखा गया था।

(ii) **पत्तिनपालै**—इसकी रचना भी रुद्रनकन्नार ने की। इस ग्रन्थ में प्रेमगीत संगृहीत है।

(iii) **सिरुपानात्रुप्पदै**—इसकी रचना नत्थनार ने की थी।

(iv) **पदिनेकिल्लकणवन्कु**—यह तृतीय संगम का तीसरा संग्रह ग्रन्थ है।

6. छठी शताब्दी ई. पू. का भारत तथा महाजनपद काल (6th Century BC India & Mahajanpada Age)

ई. पू. छठी शताब्दी में भारतीय राजनीति में अनेक शक्तिशाली राज्यों का उदय हुआ, जिन्हें महाजनपद कहा गया। महाजनपद सोलह राज्यों का एक समूह था जो प्राचीन भारत में मौजूद थे।

महाजनपद काल प्रायः प्रारम्भिक राज्यों, लोहे के बढ़ते प्रयोग और सिक्कों के विकास के लिए विशेष रूप से जाना जाता है। इसी समय में बौद्ध और जैन सहित अनेक दार्शनिक विचारधाराओं का विकास हुआ।

सोलह महाजनपद (Sixteen Mahajanpadas)

छठी शताब्दी ई.पू. में उत्तरी भारत विभिन्न जनपदों में विभक्त था। बौद्ध ग्रंथ **अंगुत्तर निकाय** तथा जैन ग्रंथ **'भगवती सूत्र'** में सोलह (16) महाजनपदों का उल्लेख है जिसे **षोड्श महाजनपद** कहा जाता था। ये जनपद निम्न प्रकार थे—

महाजनपद (Mahajanpadas)

क्र.	जनपद	स्थिति	राजधानी
1.	काशी	वरुणा तथा आसी नदी के संगम पर	वाराणसी
2.	कौशल	उत्तर प्रदेश के मध्य में उत्तर की ओर	श्रावस्ती
3.	अंग	मगध राज्य के पूर्व में	चम्पानगरी
4.	मगध	आधुनिक बिहार राज्य के गया तथा पटना जिले के मध्य से	राजगृह
5.	मल्ल	वज्जि संघ राज्य के उत्तर में स्थित थी। यह दो भागों में विभाजित था	एक भाग—कुशीनगर दूसरा भाग—पावापुरी
6.	वज्जि	आधुनिक बिहार राज्य के उत्तरी भाग में स्थित। यह आठ राज्यों का एक संघ था	वैशाली
7.	चेदि	केन नदी के तट पर आधुनिक बुन्देलखण्ड में स्थित था	शुक्तिमती
8.	वत्स	आधुनिक इलाहाबाद के पास	कौशाम्बी
9.	कुरु	दिल्ली और मेरठ के समीप स्थित था	इन्द्रप्रस्थ
10.	पांचाल	गंगा यमुना के दोआब में आधुनिक रुहेलखण्ड में स्थित था। यह दो भागों में विभक्त था (क) उत्तरी पांचाल (ख) दक्षिणी पांचाल	आहिक्षत्र काम्पिल्य
11.	अश्मक	गोदावरी नदी के तट पर स्थित था दक्षिण भारत का एकमात्र महाजनपद	पोटली/पोतन
12.	मत्स्य	यह वर्तमान जयपुर, अलवर तथा भरतपुर के कुछ भागों में स्थित था	विराटनगरी
13.	शूरसेन	मत्स्य राज्य के दक्षिण में स्थित था	मथुरा
14.	गान्धार	यह आधुनिक कश्मीर के आस–पास स्थित था	तक्षशिला
15.	कम्बोज	यह कश्मीर, अफगानिस्तान तथा पामीर के भू–भाग तक था	हाटक
16.	अवन्ति	मालवा प्रदेश में स्थित था	उज्जयनी महिष्मती

1. अवन्ति प्राचीन भारत के 16 महाजनपदों में से एक था, अवन्ति का राजा चण्डप्रद्योतक था। ज्ञातव्य है कि जब राजा प्रद्योत पाण्डु रोग से पीड़ित था तब मगध सम्राट बिम्बिसार ने अपने राजवैद्य जीवक को उनके उपचार के लिए भेजा था।
2. कम्बोज महाजनपद अपने अच्छे नश्ल के घोड़ों के लिए विख्यात था।
3. अश्मक एकमात्र महाजनपद था जो दक्षिण भारत में गोदावरी नदी के किनारे स्थित था।

7. मगध का उत्थान (Rise of Magadh)

छठी शताब्दी ई. पू. में महाजनपदों में उत्तर भारत में मगध, काशी, कौशल और अंग प्रमुख शक्तिशाली राज्य थे, परन्तु मगध महाजनपद अपने समक्ष राज्यों से कहीं अधिक शक्ति और प्रतिष्ठा प्राप्त करने में सफल रहा। आरम्भिक मगध के प्रमुख वंशों का विवरण अग्र प्रकार है—

I. हर्यंक वंश (544 ई.पू. से 412 ई.पू.)
II. शिशुनाग वंश (412-344 ई.पू.)
III. नंद वंश (344-324 ई.पू.)

I. हर्यंक वंश (Haryank Dynasty)

हर्यंक वंश का काल 544 ई. पू. से 412 ई. पू. तक माना जाता है। इस वंश का वास्तविक संस्थापक बिम्बिसार, जबकि नागदशक अंतिम शासक था।

(i) बिम्बिसार (श्रेणिक)

- बिम्बिसार (558-491 ई. पू.) हर्यंक वंश का संस्थापक था। इनकी राजधानी **गिरिव्रज (राजगृह)** थी।
- बिम्बिसार ने अपने राजवैध 'जीवक' को अवन्ति नरेश चण्डप्रद्योत की पीलिया (पाण्डु) नामक बीमारी को ठीक करने के लिए भेजा था।

(ii) अजातशत्रु (कुणिक/अशोक चंड)

- बिम्बिसार के पुत्र अजातशत्रु (492-460 ई. पू.) ने उसकी हत्या कर सिंहासन प्राप्त किया।
- अजातशत्रु की हत्या उसके पुत्र उदायिन ने 461 ई. पू. की थी।

(iii) उदायिन

- उदायिन ने गंगा एवं सोन नदियों के संगम पर स्थित पाटलिपुत्र को अपनी राजधानी बनाया। **पाटलिपुत्र (वर्तमान पटना)** की स्थापना का श्रेय उदायिन को जाता है।

II. शिशुनाग वंश (Shishunag Dynasty)

- हर्यंक वंश के एक सेनापति शिशुनाग ने उदायिन के पुत्र नागदशक को हटाकर मगध के सिंहासन पर अधिकार करके शिशुनाग वंश की स्थापना की।

III. नन्द वंश (Nanda Dynasty)

- इस वंश का संस्थापक **महापद्मनन्द** को माना जाता है।
- पुराणों में महापद्मनन्द को **सर्वक्षत्रान्तक** कहा गया है।
- नन्द वंश का अन्तिम शासक **धनानन्द** था। इसी के शासन काल में **सिकन्दर** ने भारत पर आक्रमण किया। धनानन्द की चन्द्रगुप्त मौर्य ने अपने गुरु चाणक्य की सहायता से हत्या कर **मौर्य वंश** की स्थापना की।

8. सिकन्दर का आक्रमण (Alexander's Invasion)

- मेसीडोनिया (मकदूनिया) के शासक फिलिप द्वितीय के पुत्र सिकन्दर ने 326 ई. पू. में सिन्धु नदी पार करके भारत की धरती पर कदम रखा तथा झेलम नदी के तट पर राजा पोरस के साथ उसने 'वितस्ता का युद्ध' लड़ा।
- वितस्ता के युद्ध में पोरस की विशाल सेना पराजित हुई और पोरस को बन्दी बना लिया गया। सिकन्दर भारत में लगभग 19 महीने तक रहा। 323 ई. पू. में बेबीलोन पहुँचकर सिकन्दर का निधन हो गया।
- नियार्कस, आनेसिक्रिटस तथा अरिस्टोब्यूलस सिकन्दर के समकालीन थे।
- झेलम नदी के तट पर राजा पोरस तथा सिकन्दर के मध्य युद्ध हुआ था। इस युद्ध को हाइडस्पीज के युद्ध के नाम से जाना जाता है।
- सिकन्दर ने भारत में निकैया और वऊकेफला आदि नगरों की स्थापना की थी। वऊकेफला सिकन्दर के प्रिय घोड़ाबाजी भारत में भरा था।

9. मौर्य साम्राज्य (322-184 ई.पू.) (Mauryan Empire)

25 वर्ष की अवस्था में चन्द्रगुप्त मौर्य तथा विष्णुगुप्त ने अपनी योग्यता तथा कूटनीति से अन्तिम नन्द शासक धनानंद के विशाल साम्राज्य को **ध्वस्त करके मौर्य वंश की आधारशिला रखी।**

I. चन्द्रगुप्त मौर्य (321-297 ई.पू.)—305 ई.पू. में सीरिया के यूनानी शासक सेल्यूकस को पराजित किया तथा उसने सेल्यूकस की पुत्री **हेलेन** से विवाह किया। **मेगस्थनीज ने मौर्य प्रशासन पर 'इण्डिका'** नामक पुस्तक लिखी। इण्डिका में मेगस्थनीज ने भारतीय समाज को 7 भागों में विभाजित किया था। चन्द्रगुप्त ने भद्रबाहु से जैन धर्म की दीक्षा ली तथा 298 ई. पू. उसकी मृत्यु हो गई।
चन्द्रगुप्त मौर्य के गुरु कौटिल्य थे जिन्होंने प्रसिद्ध व महत्त्वपूर्ण ग्रन्थ अर्थशास्त्र की रचना की।

II. बिन्दुसार (297-272 ई.पू.)—यह चन्द्रगुप्त मौर्य का उत्तराधिकारी पुत्र था। उसे **'अमित्रघात'** भी कहा जाता है। अभित्रचेटस या अमितकेडीज भी कहा गया है।

III. अशोक (273-232 ई.पू.)—अशोक राजा बनने से पूर्व, अपने पिता बिन्दुसार के समय अवन्ति का राज्यपाल था।
सिंहली अनुश्रुति और महावंश के अनुसार।
अशोक ने अपने **99 भाइयों** की हत्या कर राजगद्दी प्राप्त की। अपने शासनकाल के चार वर्षों बाद **269 ई.पू. में राज्याभिषेक** कराया। उसने **261 ई.पू.** में **कलिंग पर विजय** प्राप्त की, परन्तु भयानक रक्तपात व नरसंहार देखकर वह द्रवित हो उठा जिसके फलस्वरूप उसने **उपगुप्त** से शिक्षा प्राप्त कर बौद्ध धर्म स्वीकार कर लिया। अशोक को 'देवनाम प्रियदर्शी' के नाम से भी जाना जाता है।

10. मौर्योत्तर काल (Later Maurya Age)

अशोक की मृत्यु के बाद धीरे–धीरे मौर्य साम्राज्य का पतन होने लगा। ई.पू. 185 ई. पू. में अन्तिम मौर्य शासक बृहद्रथ की हत्या उसके महासेनापति ने पुष्यमित्र शुंग ने कर दी तथा शुंग वंश की नींव रखी।

I. शुंग वंश (Shunga Dynasty)

- शुंग ब्राह्मण वंशीय शासक थे। इस राजवंश का अन्तिम राजा देवभूति था।
- भरहुत स्तूप का निर्माण **पुष्यमित्र शुंग** ने करवाया था।
- इंडो–यूनानी शासक मिनांडर को पुष्यमित्र शुंग ने पराजित किया था।
- शुंग शासकों ने अपनी राजधानी **विदिशा** में स्थापित की थी।

II. आन्ध्र सातवाहन वंश (Andhra-Satvahana Dynasty)

- सुशर्मा कण्व के सेनापति **सिमुक** ने 27 ई.पू. में उसका वध कर सातवाहन वंश की नींव डाली। सिमुक शातकर्णी, गौतमीपुत्र शातकर्णी, वसिष्ठीपुत्र, पुलुमावी तथा यज्ञश्री शातकर्णी इस वंश के प्रमुख शासक थे, जिन्होंने लगभग **250 ई.** तक शासन किया। **यज्ञश्री शातकर्णी** इस वंश का अन्तिम महत्त्वपूर्ण शासक था।
- गौतमी पुत्र **शातकर्णी** (106–130 ई.) इस वंश का सर्वाधिक महान शासक था। कहा जाता है कि इसके घोड़े तीन समुद्र का पानी पिया करते थे।

11. भारत के यवन राज्य (Greek States in India)

I. शक (Shaka)

- भारत के शक राजा अपने आपको **क्षत्रप** कहते थे।
- रुद्रदामन ने सातवाहन नरेश शतकर्णी को दो बार हराया तथा चन्द्रगुप्त मौर्य के मंत्री द्वारा बनवाई गई सुदर्शन झील के पुनर्निर्माण में भारी धन व्यय किया। जूनागढ़ का अभिलेख रुद्रदामन प्रथम से सम्बन्धित है।

II. कुषाण (Kushanas)

- कुषाण वंश का संस्थापक **कुजुल कडफिसेस** था।
- सर्वप्रथम **विम कडफिसेस** ने भारत में कुषाण सत्ता की स्थापना की और **सर्वप्रथम बड़ी मात्रा में सोने के सिक्के जारी किये।**
- कनिष्क ने 78 ई. में शक सम्वत् प्रचलित किया था, तथा इसी वर्ष कनिष्क का राज्याभिषेक हुआ था।
- कनिष्क के शासनकाल के तीसरे वर्ष में बौद्ध सन्त वाला द्वारा सारनाथ में बोधिसत्व प्रतिमा लेख स्थापित किया गया।
- कनिष्क की प्रथम राजधानी **पेशावर (पुरुषपुर)** तथा दूसरी राजधानी मथुरा थी।

12. गुप्त वंश (240-480 ई.)
(Gupta Dynasty)

I. श्रीगुप्त (240-280 ई.) (Srigupta)

श्रीगुप्त गुप्त वंश का संस्थापक था, जिसे गुप्तों का आदि पुरुष कहा गया है। उसने 240–280 ई. तक शासन किया। उसने महाराज की उपाधि प्राप्त की। उसके बाद उसका पुत्र घटोत्कच शासक बना।

II. चन्द्रगुप्त प्रथम (320–335 ई.) (Chandragupta I)

चन्द्रगुप्त प्रथम इस वंश का प्रथम प्रमुख शासक था तथा उसे **गुप्त संवत्** का संस्थापक माना जाता है।

नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना कुमार गुप्त प्रथम द्वारा कराई गई।

III. समुद्रगुप्त (335–375 ई.) (Samudragupta)

उसे **भारत का नेपोलियन** भी कहते हैं।

अप्रतिरथ, व्याघ्र, परक्रमांक आदि उपाधि समुद्रगुप्त ने धारण की थी। समुद्रगुप्त ने बौद्ध भिक्षु वसुबन्धु को संरक्षण प्रदान किया था और श्रीलंका के शासक के यहाँ अपने दूत भेजे थे।

IV. चन्द्रगुप्त द्वितीय (380–415 ई.) (Chandragupta II)

समुद्रगुप्त के बाद उसका पुत्र चन्द्रगुप्त द्वितीय शासक बना। चद्रगुप्त द्वितीय के अन्य नाम देवगुप्त, देवराज, तथा देवश्री और उपधियाँ क्रमशः विक्रमांक, विक्रमादित्य और परमभागवत थी। प्राचीन भारत की श्रेष्ठतम साहित्य प्रतिभा **कालिदास** उसकी राज्यसभा के रत्न थे। **धनवन्तरि** जैसे प्रसिद्ध चिकित्सक इसी के शासनकाल में हुए थे। चीनी यात्री फाह्यान भी इसी के शासनकाल में आया था।

फाह्यान गुप्तकाल में गौतम बुद्ध की शिक्षाओं के अध्ययन के लिए भारत आया था।

- दिल्ली में कुतुबमीनार के समीप **महरौली का स्तम्भ** का निर्माण चन्द्रगुप्त द्वितीय ने करवाया था। इसके पुत्र कुमार गुप्त प्रथम ने नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना की थी। इसे **ऑक्सफोर्ड ऑफ महायान बौद्ध** कहा गया।
- इसी वंश के शासक स्कंदगुप्त के शासनकाल में **हूण जाति के लोगों ने अपने आक्रमण गुप्त राज्य पर आरम्भ** कर दिये थे।
- स्कन्दगुप्त ने गिरनार पर्वत पर स्थित **सुदर्शन झील** का पुनरुद्धार करवाया।
- गुप्त युग में शान्ति, समृद्धि का चतुर्मुखी विकास हुआ, जिसके फलस्वरूप इस काल को भारतीय इतिहास में स्वर्ण युग के नाम से जाना जाता है।
- गुप्त वंश के पश्चात् ईसा की छठी सदी के मध्य हूणों ने पंजाब पर अपना वर्चस्व स्थापित किया। हूण खानाबदोश लोग थे।
- हूणों द्वारा सर्वप्रथम 455 ई. में भारत पर आक्रमण किया गया, किन्तु स्कन्दगुप्त के पराक्रम के सामने उन्हें पराजय का सामना करना पड़ा। भारत पर आक्रमण करने वाले हूणों के नेता क्रमशः तोरमाण व मिहिर कुल थे। इसके अतिरिक्त खुशनबाज को हूणों का प्रथम राजा माना जाता है।

13. पुष्यभूति या वर्धन राजवंश
(Pushyabhuti or Vardhan Dynasty)

- **हर्षवर्धन (606-647 ई.) (Harsh Vardhan)**
  - पुष्यभूति, वर्धन वंश का संस्थापक था। पुष्यभूति ने थानेश्वर को अपनी राजधानी बनाया। वह 'शिव' का परम भक्त था।
  - हर्षवर्धन, राज्यवर्धन के बाद थानेश्वर के सिंहासन पर बैठा। हर्षवर्धन के विषय में बाणभट्ट के 'हर्षचरित' से व्यापक जानकारी मिलती है। हर्षवर्धन ने लगभग 41 वर्ष (606-647AD) शासन किया।
  - हर्ष बौद्ध धर्म का अनुयायी था।
  - हर्ष ने अपनी राजधानी **थानेश्वर** से **कन्नौज** स्थानान्तरित की थी तथा हर्ष की सेना को 620 ई. में चालुक्य नरेश **पुलकेशिन द्वितीय** ने नर्मदा के तट पर पराजित किया था।
  - उसने संस्कृत में '**नागानन्द, रत्नावली** तथा **प्रियदर्शिका**' नामक नाटकों की रचना की थी।
  - हर्षवर्धन ने अपने राजदरबार में **कादम्बरी** और **हर्षचरित** के रचयिता **बाणभट्ट, सुभाषितवलि** के रचयिता **मयूर** और चीनी विद्वान **ह्वेनसांग** (सी–यू–की का रचयिता) को आश्रय प्रदान किया था।
  - **यात्रियों का राजकुमार, नीति का पंडित** एवं **शाक्यमुनि** कहे जाने वाले **ह्वेनसांग** को चीनी शासक **ताई सुंग** (629 ई.) ने हर्षवर्धन के दरबार में भेजा था।

14. मध्य भारत, उत्तर भारत और दक्कन : तीन साम्राज्यों का युग (8वीं से 10वीं सदी तक)
(Central India, Northern India & Deccan Age of Three Empires)

सातवीं सदी में हर्ष के साम्राज्य के पतन के बाद उत्तर भारत, दक्कन और दक्षिण भारत में अनेक साम्राज्य उत्पन्न हुए। इसमें पाल, प्रतिहार एवं राष्ट्रकूट प्रमुख थे।

I. पाल साम्राज्य (Pala Empire)

- पाल साम्राज्य की स्थापना 750 ई. में **गोपाल** के द्वारा बंगाल में हुई थी।
- धर्मपाल के शासनकाल में कन्नौज पर नियंत्रण के लिए पाल, प्रतिहार एवं राष्ट्रकूटों में त्रिपक्षीय संघर्ष हुआ जिसमें धर्मपाल विजयी हुआ।
- धर्मपाल ने **नालंदा विश्वविद्यालय का पुनरुत्थान किया** और **विक्रमशिला विश्वविद्यालय की स्थापना** की जहाँ वज्रयान शाखा की पढ़ाई कराई जाती थी।

II. प्रतिहार (Pratiharas)

- इस वंश की स्थापना **हरिश्चन्द्र** ने की थी।
- प्रतिहार वंश की पहली राजधानी उदमाण्डपुर थी।
- नागभट्ट प्रथम (730 - 756 ई.)—यह गुर्जर प्रतिहार वंश का वास्तविक संस्थापक था।
- नागभट्ट और उसके पुत्र महेन्द्र पाल के समय उनके दरबार में **राजशेखर** निवास करते थे जो उसके राजगुरु भी थे। राजशेखर की रचनाएँ—**कर्पूरमंजरी, काव्यमीमांसा, हरविलास, भुवनकोश, बाल रामायण**।

III. राष्ट्रकूट (Rashtrakutas)

- राष्ट्रकूट वंश का संस्थापक **दंतिदुर्ग** था जिसने शोलापुर के पास **मान्यखेत** या **मलखेड़** को अपनी राजधानी बनाया।

15. चोल साम्राज्य (नवीं से बारहवीं सदी तक) [Chola Empire (9th to 12th Century AD)]

- चोल साम्राज्य का संस्थापक **विजयालय** (850 ई. से 871 ई.) था, ये पहले पल्लवों का सामंत था। उसने 850 ई. में तंजावुर पर कब्जा किया और उसे अपनी राजधानी बनाया।
- विजयालय ने तंजौर पर अधिकार करने के बाद **नरकेसरी** की उपाधि धारण की।
- राजराज प्रथम को इस वंश का वास्तविक संस्थापक माना जाता है। इसने तंजुवर में वृहदेश्वर मंदिर का निर्माण करवाया था।
- राजराज-I के पुत्र राजेन्द्र–प्रथम ने पूरे श्रीलंका को चोल साम्राज्य में मिला लिया।
- राजेन्द्र-I ने बंगाल के शासक महीपाल को हरा दिया। उसने उत्तरी–पूर्वी पराजित राजाओं को गंगाजल से भरे कलश अपनी राजधानी **गंगैकोण्डचोलपुरम** लाने को कहा और उसे चोलगंग नामक तालाब में एकत्रित करवाया। इस उपलक्ष्य में उसने **गंगैकोंडचोल** की उपाधि भी ग्रहण की। चोल राजवंश द्वारा सुदृढ़ स्थानीय शासन व्यवस्था लागू की गई थी।

महत्वपूर्ण अभ्यास प्रश्न

1. हड़प्पा के लोग किस धातु का उपयोग नहीं जानते थे?
(A) ताँबा (B) काँसा
(C) सोना (D) लौह

2. निम्नलिखित में से कौन–सा पुरातात्विक स्थल सिंधु घाटी सभ्यता से सम्बन्धित नहीं है?
(A) आहड़ (B) राखीगढ़ी
(C) कालीबंगा (D) सुरकोटड़ा

3. सिन्धु घाटी की सभ्यता की अधिकतर मुहरें निर्मित हैं–
(A) पक्की मिट्टी से
(B) फायन्स से (प्रकाचिंत वस्तु)
(C) अकिक से
(D) सेलखड़ी से

4. सिंधु घाटी सभ्यता किसमें विशिष्टता रखता था ?
(A) चित्रकारी
(B) वास्तुकला
(C) नगर निर्माण योजना
(D) युद्ध

5. सूची–I को सूची–II के साथ सुमेलित करें और सही उत्तर चुनें :

सूची–I (सिन्धु स्थल)		सूची–II (स्थान)
a.	लोथल	1. राजस्थान
b.	रोपड़	2. हरियाणा
c.	राखी गढ़ी	3. पंजाब
d.	कालीबंगा	4. गुजरात

कूट :

	a	b	c	d
(A)	1	2	3	4
(B)	4	3	2	1
(C)	1	3	2	4
(D)	4	3	1	2

6. 'लोथल' किस नदी के निकट स्थित है?
(A) सतलज (B) घग्घर
(C) रावी (D) भोगवो

7. सुमेलित कीजिए :

आश्रम		आयु
a.	ब्रह्मचर्य	1. जन्म से 25 वर्ष
b.	गृहस्थ	2. 25 से 50 वर्ष
c.	वानप्रस्थ	3. 50 से 75 वर्ष
d.	संन्यास	4. 75 से 100 वर्ष

कूट :

	a	b	c	d
(A)	4	3	2	1
(B)	3	4	2	1
(C)	1	3	2	4
(D)	1	2	3	4

8. जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर कौन थे ?
(A) ऋषभदेव
(B) वर्धमान महावीर
(C) गौतम बुद्ध
(D) पार्श्वनाथ

9. भगवान बुद्ध के महापरिनिर्वाण के बाद पहली बौद्ध संगीति हुई थी–
(A) राजगृह (राजगीर) में
(B) गया में
(C) पाटलिपुत्र में
(D) वैशाली में

10. भवत्स महाजनपद की राजधानी थी।
(A) कौशाम्बी (B) हस्तिनापुर
(C) अतरंजीखेड़ा (D) राजघाट

11. सिकन्दर महान ने किस वर्ष भारत पर आक्रमण किया था ?
(A) 356 ई. पू. (B) 340 ई. पू.
(C) 326 ई. पू. (D) 323 ई. पू.

12. अन्तिम मौर्य शासक कौन था?
(A) जलोका (B) बिन्दुसार
(C) दशरथ (D) वृहद्रथ

13. अशोक महान, पुत्र थे–
(A) बिम्बिसार के (B) बिन्दुसार के
(C) चन्द्रगुप्त के (D) कुणाल के

14. निम्नलिखित में से कनिष्क की राजधानी कौन–सी थी?
(A) पुरुषपुर (पेशावर)
(B) तक्षशिला
(C) श्रीनगर
(D) सियालकोट

15. कनिष्क राजा थे–
(A) मौर्य वंश के (B) गुप्त वंश के
(C) कुषाण वंश के (D) पाल वंश के

16. निम्नलिखित में से किसके शासनकाल को 'भारत का स्वर्ण युग' माना जाता है?
(A) मराठा साम्राज्य (B) मगध वंश
(C) काकातिया वंश(D) गुप्त साम्राज्य

17. गुप्त वंश का अंतिम शासक था :
(A) पुरुगुप्त (B) विष्णुगुप्त III
(C) स्कन्दगुप्त (D) कुमारगुप्त

उत्तरमाला

1. (D) **2.** (A) **3.** (D) **4.** (C) **5.** (B)
6. (D) **7.** (D) **8.** (D) **9.** (A) **10.** (A)
11. (C) **12.** (D) **13.** (B) **14.** (A) **15.** (C)
16. (D) **17.** (B)

❐❐

अध्याय 1

श्रृंखला परीक्षण

SERIES (श्रृंखला) उसे कहा जाता है जिसमें किसी विशेष समूह में स्थित अंक/अक्षर के सुव्यवस्थित क्रम को दर्शाया जाता है।

प्रायः प्रतियोगी परीक्षाओं में अंक/अक्षर या अंक तथा अक्षर एक निश्चित क्रम में दिए गए होते हैं। दिए गए क्रम में किसी विशेष स्थान को खाली छोड़ दिया जाता है या किसी विशेष स्थान पर आने वाले अंक अक्षर के स्थान पर कोई गलत अंक/अक्षर संयोजित कर दिए जाते हैं। प्रतियोगियों को दिए गए श्रृंखला के खाली स्थान को दिए गए विकल्पों में से उपयुक्त अंक/अक्षर या अंक एवं अक्षर का चुनाव करके पूर्ति करना होता है या श्रृंखला में प्रयुक्त गलत अंक/अक्षर को ज्ञात करना होता है।

श्रृंखला परीक्षण के प्रकार

संख्या श्रृंखला

उदा. 1. 8, 12, 17, 23, 30, 38, ?

(A) 40 (B) 42
(C) 47 (D) 50

हल (C) :

8 → 12 → 17 → 23 → 30 → 38 → **47**

+4, +5, +6, +7, +8, +9

∴ ? = 47

उदा. 2. 38, 34, 29, 23, 16, ?

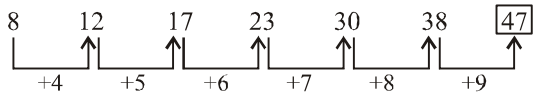

(A) 8 (B) 10
(C) 12 (D) 14

हल (A) :

38 → 34 → 29 → 23 → 16 → **8**

–4, –5, –6, –7, –8

∴ ? = 8

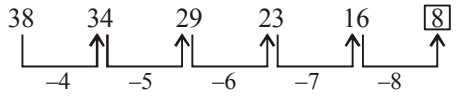

उदा. 3. 2, 2, 4, 12, 48, ?

(A) 96 (B) 192
(C) 240 (D) 288

हल (C) :

2 → 2 → 4 → 12 → 48 → **240**

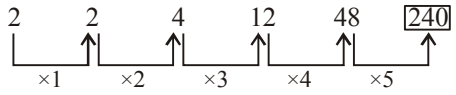

×1, ×2, ×3, ×4, ×5

∴ ? = 240

उदा. 4. 7, 15, 32, 67, 138, ?

(A) 140 (B) 260
(C) 362 (D) 281

हल (D) :

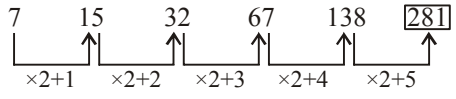

7 → 15 → 32 → 67 → 138 → **281**

×2+1, ×2+2, ×2+3, ×2+4, ×2+5

∴ ? = 281

उदा. 5. 1, 4, 9, 16, 25, 36, ?

(A) 40 (B) 49
(C) 55 (D) 62

हल (B) :

$(1)^2$ ↓ 1, $(2)^2$ ↓ 4, $(3)^2$ ↓ 9, $(4)^2$ ↓ 16, $(5)^2$ ↓ 25, $(6)^2$ ↓ 36, $(7)^2$ ↓ **49**

∴ ? = 49

उदा. 6. 3, 4, 12, 39, 103, ?

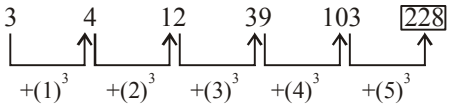

(A) 206 (B) 208
(C) 228 (D) 252

हल (C) :

3 → 4 → 12 → 39 → 103 → **228**

$+(1)^3$, $+(2)^3$, $+(3)^3$, $+(4)^3$, $+(5)^3$

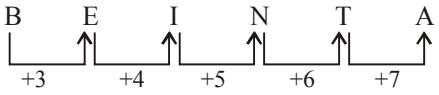

∴ ? = 228

अक्षर श्रृंखला

उदा. 1. B, E, I, N, T, ?

(A) A (B) M
(C) X (D) Z

हल (A) :

B → E → I → N → T → A

+3, +4, +5, +6, +7

∴ ? = A

उदा. 2. AZ, CX, FU, JQ, ?

(A) XC (B) OL
(C) XL (D) OX

हल (B) : A $\xrightarrow{+2}$ C $\xrightarrow{+3}$ F $\xrightarrow{+4}$ J $\xrightarrow{+5}$ O

Z $\xrightarrow{-2}$ X $\xrightarrow{-3}$ U $\xrightarrow{-4}$ Q $\xrightarrow{-5}$ L

∴ ? = OL

उदा. 3. MHZ, NIW, OKT, PNQ, ?

(A) PRN (B) QRT
(C) PRT (D) QRN

हल (D) : M $\xrightarrow{+1}$ N $\xrightarrow{+1}$ O $\xrightarrow{+1}$ P $\xrightarrow{+1}$ Q

H $\xrightarrow{+1}$ I $\xrightarrow{+2}$ K $\xrightarrow{+3}$ N $\xrightarrow{+4}$ R

Z $\xrightarrow{-3}$ W $\xrightarrow{-3}$ T $\xrightarrow{-3}$ Q $\xrightarrow{-3}$ N

∴ ? = QRN

मिश्रित शृंखला

इस प्रकार की शृंखला में अंक तथा अक्षर के मिश्रित पद होते हैं।

उदा. 1. C 1 L, F 4 O, I 9 R, L 16 U, ?

(A) O 25 X (B) N 25 Z
(C) O 20 X (D) N 16 Z

हल (A) : $C \xrightarrow{+3} F \xrightarrow{+3} I \xrightarrow{+3} L \xrightarrow{+3} O$

$1 \xrightarrow{+3} 4 \xrightarrow{+5} 9 \xrightarrow{+7} 16 \xrightarrow{+9} 25$

$L \xrightarrow{+3} O \xrightarrow{+3} R \xrightarrow{+3} U \xrightarrow{+3} X$

$\therefore$? = O 25 X

क्रमागत शृंखला

इस प्रकार के प्रश्नों में अक्षरों/अंकों की एक शृंखला होती है। शृंखला में कुछ अक्षरों/अंकों के स्थान को खाली छोड़ दिया जाता है, इस शृंखला में खाली स्थान में उपर्युक्त अक्षर/अंक भरकर शृंखला को पूरा करना होता है।

उदा. 1. a_ _ dba _ _ bcad _ _ da _ _ cd

(A) aabbccdd (B) bccdbcab
(C) abcddcba (D) cbcddcba

हल (B) : a b c d | b a c d | b a c d | b c d a | a b c d

उदा. 2. SH_ELAS_EELA_HEELA

(A) HHSS (B) EEHS
(C) EHSL (D) ELHA

हल (C) : SHEELA / SHEELA / SHEELA/ SHEELA

उदा. 3. 12_41_34123_ _234

(A) 3241 (B) 2134
(C) 1432 (D) 3212

हल (A) : 1 2 3 4 / 1 2 3 4 / 1 2 3 4 / 1 2 3 4

महत्वपूर्ण अभ्यास प्रश्न

1. उस विकल्प का चयन करें जो रिक्त स्थान को भरे और दी गई शृंखला को पूरा करे :
3, 4, 0, 9, –7, ...
(A) 8 (B) –32
(C) 18 (D) 7

2. दिए गए विकल्पों में से वह संख्या चुनिए, जो निम्नलिखित शृंखला में प्रश्नवाचक चिह्न (?) को प्रतिस्थापित कर सके–
6, 24, 60, 120, 210, ?
(A) 336 (B) 274
(C) 368 (D) 402

3. उस संख्या को पहचानिए जो निम्नलिखित श्रेणी से सम्बन्धित नहीं है–
289, 306, 340, 389, 459, 544
(A) 289 (B) 459
(C) 389 (D) 306

4. दिए गए विकल्पों में से उस संख्या का चयन करें जो निम्नलिखित शृंखला में प्रश्न चिह्न को प्रतिस्थापित कर सकती है?
3, 13, 23, 43, 53, 73, 83, 103, 113, ?
(A) 153 (B) 183
(C) 163 (D) 173

5. नीचे दिये गए अनुक्रम को पूरा करें–

$\frac{H}{16}, \frac{K}{13}, ?, \frac{Q}{19}, \frac{T}{40}, ?, \frac{Z}{52}$

(A) $\frac{N}{25}, \frac{V}{28}$ (B) $\frac{N}{28}, \frac{W}{25}$

(C) $\frac{W}{26}, \frac{M}{20}$ (D) $\frac{N}{24}, \frac{W}{32}$

6. निम्नलिखित प्रश्न में दिए गये विकल्पों में से लुप्त अंक ज्ञात कीजिए–
19, 38, ?, 228, 684, 1368
(A) 108 (B) 113
(C) 114 (D) 138

7. निम्नलिखित प्रश्न में एक अनुक्रम दिया गया है, जिसमें एक पद लुप्त है। दिए गए विकल्पों में से वह सही विकल्प चुनिए जो अनुक्रम को पूरा करे।
2, 4, 13, 41, 106, ?
(A) 172 (B) 191
(C) 219 (D) 232

8. निम्नलिखित प्रश्न में दी गयी शृंखला में प्रश्नचिह्न के स्थान पर क्या आयेगा ?
FK27, LQ64, RW125, ?
(A) CX216 (B) XB216
(C) XC216 (D) YB343

9. दी गई श्रेणी को पूर्ण करें।
165, 275, 15, 25, 3, ____
(A) 12 (B) 8
(C) 5 (D) 11

10. श्रेणी को पूर्ण करें।
19, 67, 43, 55, 49, ____
(A) 52 (B) 53
(C) 51 (D) 54

11. श्रेणी को पूरा करें।
4, 196, 16, 144, 36, 100, 64, ____
(A) 36 (B) 80
(C) 64 (D) 100

12. श्रेणी को पूर्ण करें।
186, 183, 177, 159, ____
(A) 81 (B) 93
(C) 87 (D) 96

13. श्रेणी को पूर्ण करें।
11, 77, 38.5, 231, ____
(A) 125 (B) 121.5
(C) 115.5 (D) 120

14. दी गई संख्या श्रेणी में एक पद गलत है गलत संख्या का चयन करें–
344, 217, 126, 66, 28, 9
(A) 217 (B) 126
(C) 66 (D) 28

15. वह अक्षर–समूह चुनें जो निम्नलिखित शृंखला में प्रश्न–चिह्न (?) का स्थान ले सकता है।
LJB, NIY, PHV, RGS, TFP, ?
(A) VEM (B) VEN
(C) WEM (D) VFM

16. वह संख्या चुनें जो निम्नलिखित श्रेणी में प्रश्न चिह्न (?) का स्थान ले सकती है।
511, 255, ?, 63, 31, 15, 7
(A) 124 (B) 127
(C) 175 (D) 125

17. निम्नलिखित शृंखला में (?) की जगह प्रतिस्थापित हो सकने वाली संख्या का चयन करें।
22, 33, 66, 88, ?
(A) 84 (B) 97
(C) 115 (D) 165

18. निम्नलिखित शृंखला में (?) की जगह प्रतिस्थापित हो सकने वाली संख्या का चयन करें।
2, 7, 14, 23, ?, 47
(A) 21 (B) 38
(C) 34 (D) 28

19. निम्नलिखित शृंखला में (?) की जगह प्रतिस्थापित हो सकने वाली संख्या का चयन करें।

240, ? 120, 40, 10, 2

(A) 240 (B) 320

(C) 420 (D) 580

20. वह संख्या चुनें जो निम्नलिखित शृंखला में आगे आएगी।

3, 4, 13, 38, 87, 168, ?

(A) 199 (B) 289

(C) 203 (D) 259

व्याख्यात्मक हल

1. (C) 3, 4, 0, 9, –7, ?

+1 –4 +9 –16 +25

1^2 2^2 3^2 4^2 5^2

? = –7 + 25 = 18

2. (A) 6 24 60 120 210 ?

+18 +36 +60 +90 +126

+18 +24 +30 +36

+6 +6 +6

? = 210 + 126 = 336

3. (C) 17 के क्रमागत गुणज के पदों का अन्तर है।

289 + 17 = 306

306 + 34 = 340

340 + 51 = 391 (जबकि 389 नहीं)

391 + 68 = 459

459 + 85 = 544

अतः 389 गलत पद है।

4. (C) **तर्क :** 3 इकाई अंक वाली क्रमागत अभाज्य संख्याएँ लिखी जाती हैं।

अतः अगला पद 163 होगा।

5. (B)

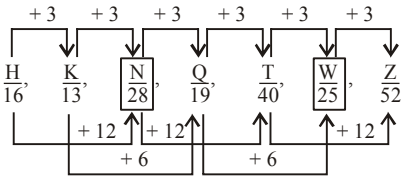

6. (C) प्रश्नानुसार दी गई संख्या शृंखला का क्रम निम्नवत है–

19 × 2 = 38

38 × 3 = 114

114 × 2 = 228

228 × 3 = 684

684 × 2 = 1368

∴ ? = 114

7. (D) प्रश्नानुसार, दी गई संख्या शृंखला का क्रम निम्नवत् है–

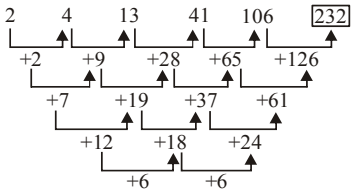

∴ ? = 232

8. (C) दी गई शृंखला का क्रम निम्नवत् है–

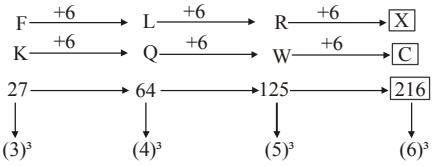

∴ ? = XC 216

9. (C)

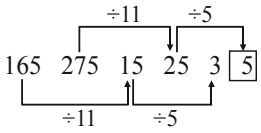

अतः विकल्प (C) सही है।

10. (A) 19 67 43 55 49 52

+48 –24 +12 –6 +3

÷2 ÷2 ÷2 ÷2

अतः विकल्प (A) सही है।

11. (C)

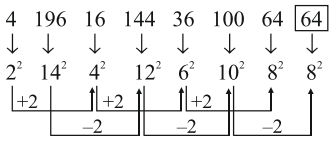

अतः विकल्प (C) सही है।

12. (C) 3 × 1 = 3 ⇒ 186 – 3 = 183

3 × 2 = 6 ⇒ 183 – 6 = 177

6 × 3 = 18 ⇒ 177 – 18 = 159

18 × 4 = 72 ⇒ 159 – 72 = 87

अतः विकल्प (C) सही है।

13. (C) 11 77 38.5 231 115.5

×7 ÷2 ×6 ÷2

14. (C) 344 217 126 65

$(7)^3+1$ $(6)^3+1$ $(5)^3+1$ $(4)^3+1$

28 9

$(3)^3+1$ $(2)^3+1$

अतः 66 शृंखला में गलत है। 66 के स्थान पर 65 आयेगा।

15. (A) दी गई अक्षरों की शृंखला का पैटर्न निम्नवत् है :

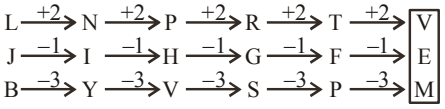

16. (B) दी गई अंक शृंखला का पैटर्न निम्नवत् हैं :

(511 – 1) ÷ 2 = 510 ÷ 2 = 255

(255 – 1) ÷ 2 = 254 ÷ 2 = 127

(127 – 1) ÷ 2 = 126 ÷ 2 = 63

(63 – 1) ÷ 2 = 62 ÷ 2 = 31

(31 – 1) ÷ 2 = 30 ÷ 2 = 15

(15 – 1) ÷ 2 = 14 ÷ 2 = 7

अतः प्रश्नचिह्न के स्थान पर संख्या 127 आयेगी।

17. (D) दी गई शृंखला 11 का गुणज है :

11 × 2 = 22

11 × 3 = 33

11 × 6 = 66

11 × 8 = 88

11 × 15 = 165

अतः दिए गए विकल्पों में से केवल संख्या 165, 11 का गुणज है।

18. (C) दी गई अंक शृंखला का पैटर्न निम्नवत् है :

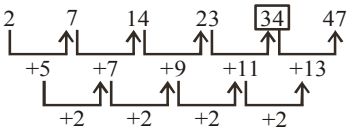

अतः प्रश्नचिह्न के स्थान पर 34 आयेगा।

19. (A) दी गई अंक शृंखला का पैटर्न निम्नवत् है :

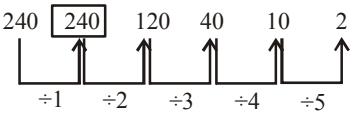

अतः प्रश्नचिह्न के स्थान पर संख्या 240 आयेगी।

20. (B) शृंखला निम्नवत् है–

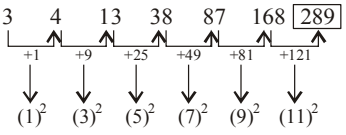

❐❐

अध्याय 1 संख्या पद्धति

स्थानीय मान—दी गई संख्या में किसी अंक का मान उसके स्थानीय मान तथा स्वयं के गुणनफल से प्राप्त मान होता है। जैसे—संख्या 4,89,765 में 6 का स्थानीय मान $6 \times 10 = 60$ होगा, जहाँ 6 को उसके स्थानीय मान अर्थात् दहाई स्थान (10) से गुणा किया गया है।

वास्तविक मान—किसी संख्या में अंक का वास्तविक मान स्वयं संख्या होती है। जैसे—संख्या 59,438 में 9 का वास्तविक मान 9 ही होता है।

संख्याओं का वर्गीकरण (Kinds of Numbers)

I. प्राकृत संख्याएँ (Natural Numbers)— ये संख्याएँ 1 से प्रारम्भ होती हैं और अनन्त तक जाती हैं। इनके समूह को N से दर्शाते हैं।

$$N = \{1, 2, 3, 4, 5...\}$$

II. पूर्ण संख्याएँ (Whole Numbers)—जब प्राकृत संख्याओं में शून्य को शामिल किया जाता है तो पूर्ण संख्याएँ बन जाती हैं।

$$W = \{0, 1, 2, 3, 4...\}$$

III. सम संख्याएँ (Even Numbers)—वे संख्याएँ जो 2 से भाज्य होती हैं, सम संख्याएँ कहलाती हैं।

$$E = \{2, 4, 6, 8, ...\}$$

IV. विषम संख्याएँ (Odd Numbers)—वे संख्याएँ जो 2 से भाज्य नहीं होती हैं, विषम संख्याएँ कहलाती हैं।

$$O = \{1, 3, 5, 7, ...\}$$

V. पूर्णांक संख्याएँ (Integers)—धनात्मक व ऋणात्मक चिह्न वाली संख्याओं को पूर्णांक संख्याएँ कहते हैं।

$$I = \{...-3, -2, -1, 0, 1, 2, 3...\}$$

VI. अभाज्य संख्याएँ (Prime Numbers)—1 से बड़ी उन सभी प्राकृत संख्याओं का समूह जिसमें उस संख्या तथा 1 को छोड़कर अन्य किसी भी संख्या से भाग देने पर वह पूर्णतः विभाजित न हो सके। '2' एक मात्र ऐसी संख्या है जो सम भी है और रूढ़ भी है।

$$P = \{2, 3, 5, 7, 11, ...\}$$

VII. परिमेय संख्याएँ (Rational Numbers)—वे संख्याएँ जिनको p/q के रूप में लिखा जा सकता है जहाँ p और q कोई ऐसी संख्याएँ हैं जो कि अभाज्य हैं तथा $q \neq 0$ है। इनके समूह को परिमेय संख्या (Rational Number) कहा जाता है।

$$R = \left\{........\frac{2}{5}, \frac{1}{5}, -4, 0, 4, \frac{7}{5}\right\}$$

VIII. अपरिमेय संख्याएँ (Irrational Numbers)—वे संख्याएँ जिनको p/q के रूप में लिखना सम्भव न हो, ऐसी संख्याओं के समूह को अपरिमेय संख्या कहते हैं। यहाँ भी p व q परस्पर अभाज्य संख्याएँ होंगी तथा $q \neq 0$ होगा।

$$L = \{........\sqrt{2}, \sqrt{3}, \sqrt{7}.........\}$$

IX. सह अभाज्य संख्या (Co-prime Numbers)—यदि दो प्राकृतिक संख्याओं का म.स.प. 1 हो, अर्थात् 1 के अलावा कोई भी उभयनिष्ठ गुणनखण्ड न हो, तो वे संख्याएँ सह–अभाजय संख्याएँ कहलाती हैं।

उदा. : (2, 3), (4, 5), (5, 9), (13, 14), (15, 16) आदि।

विशेषताएँ—

- सह अभाज्य संख्याओं में एक का विषम होना अनिवार्य है।
- सभी क्रमागत संख्याएँ सह–अभाज्य हैं।
- सह–अभाज्य होने के लिए सभी संख्याओं का अभाज्य होना अनिवार्य नहीं है।

संख्याओं का विभाजकता नियमः—

2 से विभाजकता : यदि किसी संख्या का इकाई अंक 0, 2, 4, 6, 8 में से हो, तो वह संख्या 2 से विभाज्य होती है।

3 से विभाजकता : यदि किसी संख्या के सभी अंकों का योग, 3 से विभाज्य है, तो वह संख्या भी 3 से विभाजित होती है।

4 से विभाजकता : यदि किसी संख्या के अन्तिम दो अंकों का युग्म, 4 से विभाज्य है, तो वह संख्या भी 4 से विभाजित होती है।

5 से विभाजकता : यदि संख्या का इकाई अंक 0 अथवा 5 है, तो वह संख्या 5 से पूर्णतया विभाजित होती है।

6 से विभाजकता : यदि संख्या 2 तथा 3 से पूर्णतया विभाज्य है, तो वह संख्या 6 से भी पूर्णतया विभाजित होती है।

7 से विभाजकता : संख्या का इकाई अंक लेकर उसका दोगुना करें। प्राप्त संख्या को मूल संख्या के शेष अंकों में से घटायें। यदि प्राप्त नयी संख्या शून्य (0) अथवा 7 से विभाजित होने वाली संख्या है, तो मूल संख्या भी 7 से विभाजित होगी।

8 से विभाजकता : संख्या के अन्तिम तीन अंकों का युग्म, यदि 8 से विभाज्य है, तो वह संख्या भी 8 से विभाजित होगी।

9 से विभाजकता : यदि संख्या के सभी अंकों को योग, 9 से विभाजित है, तो वह संख्या भी 9 से विभाजित होगी।

11 से विभाजकता : यदि संख्या में सम स्थानों पर अंकों के योग तथा विषम स्थानों पर अंकों के योग का अन्तर, 11 से विभाज्य है, तो संख्या भी 11 से विभाज्य होगी।

घात वाली संख्या का इकाई अंक ज्ञात करना (Finding the Unit Digit of a Powered Number)

I. यदि किसी संख्या में इकाई का अंक 0, 1, 5 या 6 है तो किसी भी घात पर इकाई का अंक अपरिवर्तित रहता है।

उदा. : $(2010)^{105}$ में इकाई का अंक = 0

II. यदि किसी संख्या में इकाई का अंक 4 या 9 है तब

(i) **विषम घात होने पर**—अभीष्ट संख्या का इकाई का अंक अपरिवर्तित होगा।

(ii) **सम घात होने पर**—अभीष्ट संख्या में इकाई का अंक क्रमशः 6 या 1 होगा।

उदा. : $(1914)^{216}$ में इकाई का अंक = 6

III. यदि किसी संख्या में इकाई का अंक 2, 3, 7 या 8 है तो घात को 4 से भाग करो। शेषफल 1, 2, 3 या 4 होगा। (शून्य न लें) फिर इकाई के अंक को शेषफल के बराबर बार गुणा करें। प्राप्त संख्या का इकाई का अंक ही मूल संख्या का इकाई का अंक होगा।

उदा. 1 : $(4243)^{511}$ में $511 \div 4$ करने पर शेषफल 3 होगा।

तब 3 को 3 बार गुणा करेंगे। $3^3 = 27$। अतः अभीष्ट इकाई का अंक 7 है।

उदा. 2 : $(1996)^{5212}$ में $5212 \div 4$ करने पर शेषफल 4 (शून्य नहीं लेंगे) तब 6 को 4 बार गुणा करेंगे। $6^4 = 1296$। अतः अभीष्ट इकाई का अंक 6 है।

गुणा के प्रश्नों में इकाई का अंक ज्ञात करना (Finding the Unit digit in Multiplication Questions)

कुछ संख्याओं को गुणा करते हुए यदि इकाई का अंक ज्ञात करना हो, तो केवल इकाई के अंकों को गुणा करते रहें तथा प्रत्येक प्राप्त संख्या के दहाई के अंक को हटा दें। अंत में प्राप्त अंक ही अभीष्ट इकाई का अंक होगा।

उदा. : $468 \times 26 \times 1268 \times 34683$ में इकाई का अंक ज्ञात करो।

हल :

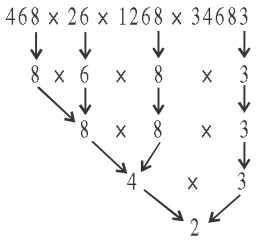

$(8 \times 6$ में इकाई का अंक $= 8)$

$(8 \times 8$ में इकाई का अंक $= 4)$

$(4 \times 3$ में इकाई का अंक $= 2)$

अतः अभीष्ट संख्या में इकाई का अंक 2 होगा।

समान्तर श्रेणी (Arithmetic Progression)

समान्तर श्रेणी का मानक रूप (Standard form of Arithmetic Progression)—

यदि किसी समान्तर श्रेणी का प्रथम पद a, सार्वअन्तर d तथा अन्तिम पद T_n हो, तो श्रेणी का मानक रूप होगा :

$a, (a+d), (a+2d) \ldots\ldots\ldots [a+(n-1)d] = T_n$

समान्तर श्रेणी का *n*वाँ पद (व्यापक पद)—

$T_n = a + (n-1)d$ को समान्तर श्रेणी का व्यापक (nवाँ पद) कहते हैं।

समान्तर श्रेणी के प्रथम *n* पदों का योगफल (Sum of first *n* terms of an A. P.)—

$$S_n = \frac{n}{2}[2a + (n-1)d] \text{ या } S_n = \frac{n}{2}[a + T_n]$$

$[\text{जहाँ } T_n = a + (n-1)d]$

को समान्तर श्रेणी के प्रथम n पदों का योगफल कहते हैं।

महत्त्वपूर्ण अभ्यास प्रश्न

1. यदि 'p' एक पूर्णांक हैं, तो "p" का सबसे छोटा संभावित मान क्या होगा जहाँ "$p^2 \times 156 \times 135$", 14 से विभाज्य है?

(A) 14 (B) 7

(C) 6 (D) 2

2. 19^{144} का यूनिट या इकाई अंक क्या है?

(A) 8 (B) 4

(C) 1 (D) 6

3. निम्नलिखित में से कौन एक अपरिमेय संख्या है?

(A) $\sqrt{\frac{12}{3}}$ (B) $\sqrt{\frac{4}{25}}$

(C) $\sqrt{\frac{20}{4}}$ (D) $\sqrt{\frac{63}{28}}$

4. 11 से विभाजित होने वाली सबसे छोटी 4 अंकों वाली संख्या के अंकों के योग और 13 से विभाजित होने वाली सबसे छोटी 4 अंकों वाले संख्या के अंकों के योग का गुणनफल ज्ञात करें—

(A) 1 (B) 2

(C) 4 (D) 6

5. X के पास बैंक खाते में ₹ 100.82 का शेष है, ₹74.35 जमा करने और ₹50.17 निकालने के बाद वह अपने बैंक बैलेंस के साथ ₹5 के कितने चॉकलेट खरीद सकता है ?

(A) 23 (B) 24

(C) 25 (D) 26

6. नीचे दी गई संख्याओं में से कौन-सी संख्या 24 से पूरी तरह विभाजित करने योग्य है ?

(A) 14744 (B) 28856

(C) 43976 (D) 57528

7. $3^{53} - 6^{38} + 27^{56}$ को हल करने के बाद प्राप्त संख्या में इकाई स्थान पर अंक बताइए—

(A) 4 (B) 2

(C) 8 (D) 6

8. एक लड़का 1 से 15 तक की सभी प्राकृत संख्याओं को जोड़ता है, लेकिन वह एक संख्या को दो बार जोड़ लेता है, जिसकी वजह से उसे संख्याओं का योग 134 मिलता है। वह संख्या कौन-सी है जो दो बार जोड़ी गई है?

(A) 14 (B) 15

(C) 8 (D) 10

9. $\sqrt{12}+\sqrt{3}, \sqrt{11}+2, \sqrt{5}+\sqrt{10}$ तथा $1+\sqrt{14}$, में सबसे बड़ी अपरिमेय संख्या कौन–सी है?

(A) $\sqrt{12}+\sqrt{3}$ (B) $\sqrt{5}+\sqrt{10}$

(C) $\sqrt{11}+2$ (D) $1+\sqrt{14}$

10. $3^{11} + 3^{12} + 3^{13} + 3^{14}$ किससे विभाजित नहीं है?

(A) 7 (B) 12

(C) 8 (D) 10

11. यदि संख्या 8289A56B, 30 से पूर्णतः विभाजित है तो A तथा B का योग क्या होगा?

(A) 5 (B) 3

(C) 4 (D) 6

अध्याय 1

वर्ण विचार

वर्ण

भाषा की सबसे छोटी इकाई ध्वनि है, इस ध्वनि को वर्ण कहा जाता है।

हिन्दी में उच्चारण के आधार पर 45 वर्ण एवं लेखन के आधार पर 52 वर्ण होते हैं।

I. स्वर

अ, आ, इ, ई, उ, ऊ (ऋ), ए, ऐ, ओ, औ, कुल 11 स्वर हैं।

मात्राएँ–अ की कोई मात्रा नहीं होती। ा ि ी ु ू ृ े ै ो ौ

अनुस्वार–अं (ं)

जैसे–अंश, अंदेशा, संपदा, हंस।

अनुनासिक– ँ (चन्द्रबिन्दु)

जैसे–हँसना, धुआँ, चाँद।

विसर्ग–अः (:)

जैसे–अधःगति, दुःख, मनःस्थिति।

II. व्यंजन

क वर्ग	:	क ख ग घ ङ
च वर्ग	:	च छ ज झ ञ
ट वर्ग	:	ट ठ ड (ड़) ढ (ढ़) ण (द्विगुण व्यंजन ड़–ढ़)
त वर्ग	:	त थ द ध न
प वर्ग	:	प फ ब भ म
अंतःस्थ	:	य र ल व
उष्म	:	श ष स ह
संयुक्त व्यंजन	:	क्ष त्र ज्ञ श्र (क् + ष) (त् + र) (ज् + ञ) (श् + र)
आगत	:	(ज़ + फ़)

वर्णमाला एक सूक्ष्म परिप्रेक्ष्य में इस प्रकार द्रष्टव्य है।

स्वर वर्गीकरण

ह्रस्व स्वर (अ, इ, उ, ऋ) | दीर्घ स्वर (आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ) | प्लुत स्वर (राऽऽऽ–)

स्वर की संख्या = 11

I. ह्रस्व स्वर–उच्चारण में कम समय।

II. दीर्घ स्वर–उच्चारण में ह्रस्व स्वर से अधिक समय। इनके उच्चारण में दो मात्राओं का समय लगता है। इन्हें 'द्विमात्रिक स्वर' भी कहते हैं। (अ + इ), ऐ (अ + ए), ओ (अ + उ) औ।

III. प्लुत स्वर–उच्चारण में एक मात्रा का तीन गुना समय लगता है। नाटक के संवादों में इसका उपयोग होता है। जैसे–हे राम !

स्वरों का वर्गीकरण उच्चारण के आधार पर

वर्ण नाम	उच्चारण स्थान	ह्रस्व स्वर	दीर्घ स्वर	निरानुनासिक मौखिक स्वर	अनुनासिक स्वर
कंठ्य	कंठ	अ	आ	अ, आ	अं, आँ
तालव्य	तालु (मुँह के भीतर की छत का पिछला भाग)	इ	ई	इ	इँ
मूर्धन्य	मूर्धा (मुँह के भीतर की छत का अगला भाग)	ऋ			
	कंठ+तालु (कंठतालव्य)	–	ए, ऐ		
	ओष्ठ+कंठ (कंठोष्ठ्य)	–	ओ,औ		
ओष्ठ्य	ओष्ठ/ओंठ	उ	ऊ		

व्यंजन

स्वर की सहायता से बोले जाने वाले वर्ण व्यंजन कहलाते हैं। प्रत्येक व्यंजन के उच्चारण में 'अ' स्वर मिला होता है। व्यंजन पाँच प्रकार के होते हैं।

I. स्पर्श व्यंजन–वे वर्ण जो जिह्वा के स्पर्श मात्र करने से ध्वनि का उच्चारण होता है। ये पाँच वर्ग में बँटे हैं जिनका स्वरूप उच्चारण एवं ध्वनि के आधार पर इस प्रकार है–

क्र.	उच्चारण	ध्वनि	वर्ग	वर्ण
1.	कण्ठ	कंठ्य	क–वर्ग	क्, ख्, ग्, घ्, ङ्
2.	तालु	तालव्य	च–वर्ग	च्, छ्, ज्, झ्, ञ्
3.	मूर्द्धा	मूर्धन्य	ट–वर्ग	ट्, ठ्, ड्, ढ्, ण्
4.	दंत	वर्त्स्य	त–वर्ग	त्, थ्, द्, ध्, न्
5.	होंठ	ओष्ठ्य	प–वर्ग	प्, फ्, ब्, भ्, म्

विशेष–

स्पर्श व्यंजन के प्रत्येक वर्ग के अन्तिम वर्ण को (ङ, ञ, ण, न, म) को अनुनासिक कहते हैं। ङ्, ञ, ण् से कोई शब्द प्रारम्भ नहीं होता।

अनुस्वार (ं) और विसर्ग (:) न तो स्वर होते हैं न ही व्यंजन। ये स्वर के अन्त में अवश्य लगते हैं। अतः इन दोनों ध्वनियों को 'आयोगवाह' कहते हैं। आयोगवाह का अर्थ है, योग न होने पर भी जो साथ रहे।

II. अंतःस्थ व्यंजन–इनका उच्चारण जीभ, तालु, दाँत और ओठों के परस्पर सटने से होता है किन्तु पूर्ण स्पर्श नहीं होता है। इनकी संख्या चार होती है (य र ल व)। इन्हें अर्द्धस्वर भी कहते हैं।

III. ऊष्म व्यंजन–जिनके उच्चारण में वायु घर्षण करती हुई बाहर निकलती हो। श्, ष्, स्, ह्।

IV. संयुक्त व्यंजन–वे वर्ण जो दो व्यंजन के मेल से बनते हैं।

क्ष = क् + ष
त्र = त् + र
ज्ञ = ज् + ञ
श्र = श् + र

V. उत्क्षिप्त व्यंजन – ड़, ढ़

व्यंजन के भेद

व्यंजन के दो भेद होते हैं–

I. अल्पप्राण–इनको उच्चारण में कम श्रम करना पड़ता है। प्रत्येक वर्ग का प्रथम, तृतीय और पाँचवाँ तथा अंतःस्थ वर्ण अल्पप्राण होता है;
जैसे–क, ग, ङ, च, ज, ञ, ट, ड, ण, त, द, न, प, ब, भ, य, र, ल, व।

II. महाप्राण–इनके उच्चारण में हकार जैसी ध्वनि रहती है। वर्ण का द्वितीय, चतुर्थ तथा ऊष्म वर्ण महाप्राण व्यंजन कहे जाते हैं।
जैसे–ख, घ, छ, झ, ठ, ढ, थ, ध, फ, भ, श, ष, स, ह।

व्यंजनों का वर्गीकरण : उच्चारण स्थान के आधार पर (एक परिप्रेक्ष्य)

वर्ण नाम	उच्चारण स्थान	अघोष अल्पप्राण	अघोष महाप्राण	सघोष अल्पप्राण	सघोष महाप्राण	सघोष अल्पप्राण नासिक्य
कंठ्य	कंठ	क	ख	ग	घ	ङ
तालव्य	तालु (मुँह के भीतर की छत का पिछला भाग)	च	छ	ज ज़	झ	ञ
मूर्धन्य	मूर्धा (मुँह के भीतर की छत का अगला भाग)	ट	ठ	ड	ढ ढ़	ण
दंत्य	ऊपरी दाँतों के निकट से	त	थ	द	ध	न
ओष्ठ्य	दोनों ओठों से	प	फ फ़	ब	भ	म
तालव्य	तालु (मुँह के भीतर की छत का अगला भाग)	–	श	य		
वर्त्स्य	दंत + मसूड़ा (दंत मूल से)	–	स	र, ल		
दंत्योष्ठ्य	ऊपर के दाँत + निचला ओंठ	–	–	व		
मूर्धन्य	मूर्धा (भीतर की छत का अगला भाग)	–	ष	–		
स्वरयंत्रीय	स्वर यंत्र (कंठ के भीतर स्थित)	–	–	–	ह	
उत्क्षिप्त	जिनके उच्चारण में जीभ ऊपर उठकर झटके के साथ नीचे को आये।	–	–	ड़	ढ़	

विशेष–
आगत/गृहीत ध्वनियाँ (क़, ख़, ग़, ज़, फ़) ऑ।

वर्णमाला (स्वर एवं व्यंजन) संक्षिप्त पुनरावलोकन

- **स्वर**–जिन वर्णों का उच्चारण बिना किसी अवरोध के तथा बिना किसी दूसरे वर्ण की सहायता से होता है, उन्हें स्वर कहते हैं।
- **ह्रस्व स्वर**–जिन स्वरों के उच्चारण में कम समय लगता है, उन्हें ह्रस्व स्वर कहते हैं।
- **दीर्घ स्वर**–जिन स्वरों के उच्चारण में ह्रस्व स्वरों से अधिक समय लगता है, उन्हें दीर्घ स्वर कहते हैं।
- ह्रस्व स्वर हैं–**अ, इ, उ, ऋ**
- मूल स्वर हैं–**अ, इ, उ, ऋ**
- दीर्घ स्वर हैं–**आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ**
- आगत स्वर हैं–**आँ**
- अग्र स्वर हैं–**इ, ई, ए, ऐ**
- मध्य स्वर हैं–**अ**
- पश्च स्वर हैं–**आ, उ, ऊ, ओ, औ, आँ**
- संवृत स्वर हैं–**ई, ऊ, इ, उ**
- अर्द्ध संवृत हैं–**ए, ओ**
- विवृत हैं–**आ, आँ**
- अर्द्ध विवृत हैं–**ए, अ, ओ, औ**
- व्यंजनों की संख्या–**(41)**
- स्पर्श व्यंजनों की संख्या–**(25)**
- अंतःस्थ व्यंजनों की संख्या–**(4)**
- ऊष्म व्यंजनों की संख्या–**(4)**
- आगत व्यंजनों की संख्या–**(2)**
- संयुक्त व्यंजनों की संख्या–**(4)**
- **क–वर्ग** ध्वनियाँ हैं–**क्, ख्, ग्, घ्, ङ्**
- **च–वर्ग** ध्वनियाँ हैं–**च्, छ्, ज्, झ्, ञ्**
- **ट–वर्ग** ध्वनियाँ हैं–**ट्, ठ्, ड्, ढ्, ण्**
- **त–वर्ग** ध्वनियाँ हैं–**त्, थ्, द्, ध्, न्**
- **प–वर्ग** ध्वनियाँ हैं–**प्, फ्, ब्, भ्, म्**
- **अन्तःस्थ** व्यंजन हैं–**य, र, ल, व**
- **अर्द्धस्वर** हैं–**य, व**
- **लुंठित** व्यंजन हैं–**र**
- **पार्श्विक** व्यंजन हैं–**ल**
- **ऊष्म–संघर्षी** व्यंजन हैं–**स, श, ष, ह**
- **उत्क्षिप्त** व्यंजन हैं–**ड़, ढ़**
- अघोष वर्ण हैं–**प्रत्येक वर्ग के प्रथम और द्वितीय वर्ण तथा श, ष, स**
- घोष वर्ण हैं–**प्रत्येक वर्ग के तृतीय, चतुर्थ, पंचम वर्ण तथा य, र, ल, व, ह**
- अल्पप्राण व्यंजन हैं–**प्रत्येक वर्ग में प्रथम, तृतीय, पंचम वर्ण तथा अन्तःस्थ वर्ण**

- महाप्राण व्यंजन हैं–**प्रत्येक वर्ग के द्वितीय व चतुर्थ वर्ण तथा ऊष्म वर्ण**
- नासिक्य व्यंजन हैं–**ङ्, ञ्, ण्, न्, म्**
- कंठ व्यंजन हैं–**क्, ख्, ग्, घ्, ङ्**
- तालव्य व्यंजन हैं–**च्, छ्, ज्, झ्, ञ्, श्, य्**
- मूर्धन्य व्यंजन हैं–**ट्, ठ्, ड्, ढ्, ण, (ढ़), ष**
- दंत्य व्यंजन हैं–**त्, थ्, द, ध्, न्**
- ओष्ठ्य व्यंजन हैं–**प्, फ (फ़), ब्, भ्, म्**
- दंत्योष्ठ्य व्यंजन हैं–**व्**
- स्वरयंत्रीय व्यंजन हैं–**ह्**

महत्वपूर्ण अभ्यास प्रश्न

1. प्लुत स्वर कौन–सा है?
(A) ओउम् (B) ओम्
(C) ओम (D) अउम

2. उच्चारण स्थान की दृष्टि से कौन–सा विकल्प शुद्ध है?
(A) स–दन्त्य (B) च–कंठ्य
(C) ष–तालव्य (D) श–मूर्धन्य

3. निम्न में संयुक्त व्यंजन कौन–सा नहीं है ?
(A) त्र (B) य
(C) क्ष (D) ज्ञ

4. जिनका उच्चारण ऊपर के दाँतों पर जीभ लगाने से होता है, उसे क्या कहते हैं ?
(A) मूर्धन्य (B) कंठ्य
(C) दन्त्य (D) अनुनासिक

5. निम्नलिखित में से 'ऊष्म व्यंजन' कौन–से हैं?
(A) च–छ–ज (B) श–ष–स
(C) अ–ब–स (D) य–र–ल

6. 'श' ध्वनि का उच्चारण स्थान क्या है?
(A) दन्त (B) मूर्द्धा
(C) तालु (D) दन्तालु

7. 'ङ्' का उच्चारण स्थान होता है–
(A) नासिक्य (B) कण्ठौष्ठ्य
(C) मूर्धन्य (D) कण्ठतालव्य

8. इन शब्दों में से कौन-सा शब्द हिन्दी शब्दकोश में सबसे अन्त में आएगा?
(A) क्लीव (B) क्रम
(C) कृषक (D) कृशानु

9. ट वर्ग में किस प्रकार के व्यंजन हैं?
(A) कंठ्य (B) तालव्य
(C) मूर्धन्य (D) दन्त्य

10. 'घ' का उच्चारण स्थान कौन–सा है ?
(A) मूर्द्धा (B) कण्ठ
(C) तालु (D) दन्त

11. 'क' का उच्चारण स्थान है–
(A) कण्ठ (B) तालु
(C) मूर्धा (D) दन्त

12. मूर्धन्य व्यंजन है–
(A) च छ ज झ (B) त थ द ध
(C) ट ठ ड ढ ण (D) प फ ब भ

13. 'ञ' वर्ण का उच्चारण स्थान है–
(A) तालु (B) मूर्द्धा
(C) दन्त (D) कंठ–तालव्य

14. निम्न में से कंठ्य–ध्वनियाँ कौन–सी हैं?
(A) ज, ज (B) ट, ण
(C) क, ख (D) य, र

15. 'च, छ, ज, झ, ञ' ये ध्वनियाँ क्या कहलाती हैं?
(A) कंठ्य (B) मूर्धन्य
(C) तालव्य (D) दन्तोष्ठ्य

16. निम्न में से 'महाप्राण' वर्ण कौन से हैं?
(A) क, च (B) ख, घ
(C) त, द (D) य, र

17. निम्नलिखित में कौन–से वर्ण का उच्चारण स्थान तालु नहीं है?
(A) इ (B) द
(C) श (D) य

18. विसर्ग का उच्चारण किसकी भाँति होता है ?
(A) श (B) ष
(C) स (D) ह

19. भिन्न–भिन्न स्वरों के मेल से जो स्वर उत्पन्न होता है ; उसे–
(A) संयुक्त स्वर (B) दीर्घ स्वर
(C) सन्धि स्वर (D) मूल स्वर

20. किस शब्द में 'ऋ' स्वर नहीं है ?
(A) कृपा (B) कृष्ण
(C) दृष्टि (D) रिवाज

21. 'क्ष' वर्ण किन वर्णों के संयोग से बना है ? निम्नांकित विकल्पों में से सही विकल्प की पहचान कीजिए :
(A) क + क्ष (B) क + छ
(C) छ + ह (D) च + प

22. 'ढ' वर्ण किस वर्ग का है ? दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प छाँटिए।
(A) क वर्ग (B) च वर्ग
(C) प वर्ग (D) ट वर्ग

23. अर्थ व्यक्त करने वाली सबसे छोटी इकाई है—
(A) शब्द (B) वाक्य
(C) ध्वनि (D) वर्ण

24. उस मूल ध्वनि को, जिसके खंड न हो सकें–उसे क्या कहते हैं ?
(A) कृदन्त (B) शब्द
(C) प्रत्यय (D) वर्ण

25. उच्चारण स्थान के आधार पर हिन्दी–व्यंजनों को कितने वर्गों में रखा जाता है ? निम्नलिखित में से सही विकल्प को चिह्नित कीजिए–
(A) ग्यारह (B) नौ
(C) सात (D) पाँच

26. भाषा की सबसे छोटी इकाई है—
(A) शब्द (B) मात्रा
(C) वर्ण (D) कोई नहीं

27. अनुनासिक व्यंजन कौन–से होते हैं ?
(A) वर्ग के प्रथमाक्षर
(B) वर्ग का तृतीयाक्षर
(C) वर्ग का चौथा व्यंजन
(D) वर्ग का पंचमाक्षर

28. 'फ' वर्ण का उच्चारण स्थान बताइए–
(A) मूर्धा (B) तालु
(C) कंठ (D) ओष्ठ

उत्तरमाला

1. (A) **2.** (A) **3.** (B) **4.** (C) **5.** (B)
6. (C) **7.** (A) **8.** (A) **9.** (C) **10.** (B)
11. (A) **12.** (C) **13.** (A) **14.** (C) **15.** (C)
16. (B) **17.** (B) **18.** (D) **19.** (A) **20.** (D)
21. (A) **22.** (D) **23.** (A) **24.** (D) **25.** (B)
26. (C) **27.** (D) **28.** (D)

❑❑

Chapter 1 Articles

1. Definition

Modern English Grammar में Articles को determiners के अन्तर्गत रखा गया है। Demonstrative Adjectives के समान कार्य करने वाले '**A**', '**An**' तथा '**The**' को Articles कहा जाता है।

2. Kinds of Article

Articles दो प्रकार के होते हैं–

Articles

Definite Article	Indefinite Article
The	A, An

I. 'The' Definite Article कहलाता है क्योंकि यह किसी विशेष व्यक्ति अथवा वस्तु को दर्शाता है।

'The' का प्रयोग Singular Countable Noun, Plural Countable Noun और Uncountable Noun सभी के पूर्व किया जाता है यदि वह निश्चित हो, विशेष हो, या जिसकी चर्चा (carry to back) पहले की जा चुकी है, जैसे–

Examples :
- **The** girl in pink dress is my daughter.
- Neha bought a sari. **The** sari was very beautiful.

II. 'A' और **'An'** Indefinite Articles कहलाते हैं क्योंकि वे कहे गये व्यक्ति अथवा वस्तु को अनिश्चित दर्शाते हैं।

इनका प्रयोग Indefinite Singular Countable Noun के पूर्व किया जाता है।

Examples :
- **A** popular leader died in **an** accident.
- She has **a** toy.

(i) व्यंजन (consonant) से शुरू होने वाले शब्दों (words) के पहले 'a' Article का प्रयोग किया जाता है, जैसे–
- **a** girl
- **a** pen
- **a** child
- **a** woman

(ii) जो शब्द Vowel (स्वर) से शुरू होते हैं लेकिन उनकी ध्वनि Consonant की होती है, तो 'a' Article का प्रयोग किया जाता है।
- **a** union
- **a** one eyed man
- **a** utensil
- **a** universal problem.

(iii) 'an' का प्रयोग उन शब्दों के साथ होता है जो vowel (a, e, i, o, u) की ध्वनि से प्रारम्भ होते हैं, जैसे–
an apple, **an** umbrella, **an** ass, **an** engineer
- **'an'** का प्रयोग 'h' silent वाले शब्दों के साथ होता है, जैसे–
  an hour, **an** heir, **an** honest, **an** hourly visit, **an** heirloom
- 'an' का प्रयोग उन शब्दों के पहले किया जाता है जिनका प्रथम अक्षर consonant है पर ध्वनि vowel की है, जैसे–
  an MLA, **an** LLB student, **an** FIR, **an** MP, **an** X-Ray

3. Use of Indefinite Articles

I. जब किसी वाक्य में दो **Adjectives** अलग-अलग **Nouns** के लिये प्रयुक्त हों, तो **A/An** प्रत्येक **Adjectives** के पूर्व लगाया जाता है।

Examples :
- **An** English and **a** Hindi story.
- **A** black and **a** white cow.
  (Two Cows : One black and other white)

लेकिन जब दो या अधिक **Adjectives** एक ही **Noun** के लिये प्रयुक्त हों, तो **A/An** केवल प्रथम Adjectives के पहले ही लगाया जाता है।

Examples :
- He gave me **a blue and black shirt**.
  (अर्थात् नीले और काले रंग की एक shirt)
- I saw **a black and white cow**.
  (अर्थात् एक गाय देखी जिसका रंग काला और सफेद था)।

II. जब किसी **Countable** Noun के पहले **Such/Many/What** शब्दों का प्रयोग हो, तो इन शब्दों तथा Countable Noun के बीच Indefinite articles **A/An** का प्रयोग किया जाता है।

Examples :
- It is **such an** interesting book !
- **What a news** he has brought !
- **Many a man** came to see the show.
- **Many a dog** kept barking in this street.

(i) निम्नलिखित **Phrases** में **'A/An'** का प्रयोग किया जाता है।

Examples :
- In **a** hurry/rage/mood/temper/dilemma/fix/nutshell.
- go for **a** walk, go into **a** comma, go on **a** journey.
- Make **a** change, make **a** fun of, make **a** noise, make **an** impression, make **a** request, make **a** guest **at**, make **a** fool, make **a** hue and cry.
- Have **a** good/short sleep, have **a** good/bad education, have **a** meal, have **a** smoke, have **a** liking/taste, have **a** drink, have **an** advantages, have **a** talk/ rest/cough/pain/fever/headache.
- Take **a** fancy to, take **an** interest in, take **a** meal, take **a** rest, take **a** vacation.
- Give **a** chance, give **a** jump, give **a** warning, give **an** advantage over.
- As **a** rule, As **a** matter of fact, at **a** stone's throw, at **a** discount, **a** short while ago, at **a** loss, **a** matter of chance. It is **a** shame/surprise/pity/wonder, tell **a** lie, pay **a** visit, half **a** kilo, keep **a** secret, catch **a** cold/catch cold.
- **A** lot of, **A** good deal of, **A** great deal of, **A** large amount of, **A** large quantity of, **A** good many, **A** great many, **A** large number of, **A** great number of, **A** large quantity of, etc.

(ii) यदि कोई व्यक्ति सम्बोधित व्यक्ति के लिए अनजान होता है तो उस व्यक्ति का नाम बताने के लिये या **reference** देने के लिये उस व्यक्ति के नाम के साथ '**A**' का प्रयोग किया जाता है।

Example :
- **A** Mr. Sharma is at the door.

कोई Mr. Sharma (अर्थात् स्वयं का परिचय Mr. Sharma के नाम से देने वाला कोई अन्जान व्यक्ति) दरवाजे पर है।

III. Special Meal (Celebrate करने के लिये या किसी के सम्मान में दिया गया भोज) के साथ '**A**' का प्रयोग होता है।

Example :
- I called my friends to **a** lunch to celebrate my birthday.

4. 'Use of' : The Definite Article

I. The' का प्रयोग उन nouns से पहले किया जाता है जो एकमात्र (Unique) हैं।

सारे **natural objects** (प्राकृतिक वस्तुयें) और **phenomena** (अद्भुत वस्तु) इसी के अन्तर्गत आते हैं—

The sun, the planets, the solar eclipse, the lunar eclipse.

II. जो पद अपने अधिकार क्षेत्र में एकमात्र हों उनसे पहले भी 'The' का प्रयोग किया जाता है—

The Principal, **The** Prime Minister, **The** king, **The** Editor, **The** captain etc.

III. Superlative से पहले 'The' का प्रयोग किया जाता है—

She is **the** (Article) **most** beautiful girl of our class
↓ ↓
Adjective Superlative

IV. जब किसी **Singular Countable Noun (Common Noun)** का प्रयोग **Abstract Noun** के अर्थ में किया जाता है, तो उसके पहले 'The' का प्रयोग किया जाता है।

अर्थात्, जब कोई Noun किसी गुण या भाव को व्यक्त करता है तो उसके पहले 'The' का प्रयोग किया जाता है।

Examples :
- **The** judge in him. (✓)
- **The** doctor in him. (✓)
- **The** mother in her. (✓)
- **The** singer in Alok. (✓)
- **The** teacher in me. (✓)

V. नीचे दिये गये **Cases** से पहले निश्चित रूप से **The** का प्रयोग होता है।

(i) Nationality Words : The American, the English, the Indians.

Countries/States with combination of more than one unit: The United kingdom (The U.K.)

The United States of America (The U.S.S.R.)

The Sudan, The Netherlands→↓

(ii) Mountains : The Himalayas, the Vindhyas, the Alps
↓ ↓
Plural **Plural**

जो पहाड़ Singular हो, उसके पहले the का प्रयोग नहीं होता।

Examples :
- Everest/Mount Abu. (✓)
- The Everest/The Mount Abu. (×)

VI. Some Important use of 'The'

(i) River, Sea, Ocean, Bay, Gulf, Canal, Cape, Desert, Train, Aeroplane and Ship आदि के नामों के पूर्व Definite Article का प्रयोग होता है।

(ii) Political Party, Religious Community, Religious Books, Armed Forces, Government Branches, Hotel and Restaurent, Theatre/Club, Museum and Library, Newspapers, Empire, Historical Buildings, Dynasty, Historical Periods/Age व Events के पूर्व 'The Definite' Article का प्रयोग होता है—*e.g.* the Congress party, The Hindus, The Geeta, The Army, The Judiciary, The Grand Hotel, The Apsara, The British museum/library, the Roman Empire, The Taj, The Charminar, The Victorian Age, The Russian Revolution आदि।

(iii) Ordinial Numbers के पहले 'the' का प्रयोग होता है। *e.g.* The third, The sixth etc.

(iv) Adjective का प्रयोग Noun के रूप में होने पर

1. Musical Instrument

2. Parts of body (शरीर के अंग)

3. किसी आविष्कार (Invention) से पहले

4. व्यक्ति के पद से पहले (Designation)

आदि के नामों के पहले प्रयोग किया जाता है। *e.g.*

The rich (rich people)

The poor (poor men)

The dead (all dead people), The deaf, The blind, The handicapped, The old, etc.

The body, the arms. Games/ Sports make the body strong.

The Telephone, The Cinema, The Radio. etc.

The S.P., The Chairman,

The Principal, The Editor.

(v) Comparative degree के प्रयोग से पहले।
- जब इसे Adverb के रूप में Use किया जाये : The higher you go, the cooler it is.
- जब इससे Selection का बोध हो : Ram is the fatter one out of the present boys.
- जब इससे Contrast का बोध हो : He is wiser of the two.

(vi) 'The' का प्रयोग **Surnames** (उपनामों) के पहले किया जाता है जब वे पूरे परिवार या पति और पत्नी को इंगित करने के लिए बहुवचन में प्रयोग किये जाते हैं। e.g

I was invited by the Reddys, the Birlas, the Tatas.

(vii) जब किसी वाक्य की बनावट Noun + of + Noun हो तो प्रथम Noun के पहले The का प्रयोग किया जाता है। e.g
- **The** girls of this class are intelligent.
- **The** people of Kerala are in trouble.

5. Omission of Articles

वे स्थितियाँ जहाँ Articles का प्रयोग नहीं किया जाता है, निम्नलिखित हैं–

I. किसी भाषा **(Language),** रंग **(Colour)** तथा विषय **(Subject)** या Home के पहले **Article** का प्रयोग नहीं किया जाता है।

Examples :
- I can speak English and Hindi both.
- Apples are red.
- He is good at Mathematics.
- I reached home at 7 pm.

II. दिनों **(Days),** महीनों **(Months),** त्योहारों **(Festivals)** के नामों के पहले **Article** का प्रयोग नहीं किया जाता है।

Examples :
- They came here on Monday.
- She will go to Agra in May.

III. व्यक्तिवाचक संज्ञा **(Proper Noun),** द्रव्यवाचक संज्ञा **(Material Noun)** तथा भाववाचक संज्ञा **(Abstract Noun)** के पहले **Article** का प्रयोग नहीं किया जाता है।

Examples :
- We drink **water.**
- **Honesty** is the best policy. } Abstract Noun
- **Virtue** has its own reward. } Abstract Noun
- Shakespeare was a great poet.
- She lives in Agra.

परन्तु, जब इन Nouns को **Definite** करना होता है तो इनके पहले **'The'** का प्रयोग किया जाता है।

Examples :
- **The gold** of Alok's ring is not pure.
- Where is **the milk** Suman has bought ?
- We should appreciate **the honesty** of Chandan.

IV. किसी खेल **(Game & Sports)** तथा hobbies के नाम के पहले **Article** का प्रयोग नहीं किया जाता है।

Examples :
- We like **a** cricket. (×)
- I used to play **a** football. (×)
- She plays **the** tennis. (×)

V. कुछ Nouns के पहले Article का प्रयोग उस स्थिति में नहीं किया जाता है, जब वहाँ का उद्देश्य वही हो, जिसके लिये इसका निर्माण किया गया है। ऐसे Nouns निम्नलिखित हैं–

School, College, University, Bed, Church, Mosque, Jail, Temple, Court, Hospital, Market.

Examples :
- Children go to **the** school at 10 A.M. (×)
  (for the purpose of study)
- She goes to **the** temple at 5 P.M. (×)
  (for the purpose of prayer)
- The injured persons were sent to **the** hospital. (×)
  (for treatments)

परन्तु यदि इन स्थानों पर जाने का उद्देश्य कोई दूसरा हो, तो इनके पहले 'The' का प्रयोग किया जाता है।

Examples :
- **The** college is near competition success. (✓)
- I found her near **the** church. (✓)

NOTE

Office, Cinema, Movie, Picture, Station, Bus stop, Circus etc. के पूर्व 'The' का प्रयोग किया जाता है।

VI. भोजन (खाने) के नामों **(Names of meals)** के पहले सामान्यतया Article का प्रयोग नहीं किया जाता है।

Examples :
- I had **a** lunch at 2 P.M. (×)
- He couldn't have **the** breakfast today. (×)

परन्तु यदि इनके पहले कोई **Adjective** का प्रयोग किया गया हो, तो उसके पहले **'A/An'** का प्रयोग किया जाता है और यदि इसको **Particular reference** किया गया हो, तो उसके पहले **'The'** का प्रयोग किया जाता है।

Examples :
- We had **a delicious breakfast** yesterday morning. (✓)
- **The** dinner hosted by Yogita was superb. (✓)

VII. यदि दिन और रात के हिस्सों **(Parts of the day and night)** के पहले **at, before, after, by** का प्रयोग किया गया हो, तो उनके पहले **Article** का प्रयोग नहीं किया जाता है।

Parts of the Day & Night :

Down, daybreak, sunrise, noon, evening, dusk, twiling, night, midnight.

Examples :
- They came to me at night. (✓)
- The students met me before evening. (✓)
- I met him at **the** dawn. (×)
  I met him at dawn. (✓)

NOTE

before, after, at sunrise अथवा Sunset के साथ Article का प्रयोग नहीं किया जा सकता है, जैसे–
- We visited the zoo after sunset.
- You have to reach here before sunrise.

VIII. Health, homework, work, paper (कागज), mercy, pity, news, pay, safety, soap, travel, weather **Uncountable Nouns** के अन्तर्गत आते हैं। अतः इनके पहले **a/an** का प्रयोग कभी नहीं किया जाता है। जबकि answer, boat, salary, journey, climate, paper (समाचार-पत्र) holiday, hour, lesson, morning, historian, rest, city **Countable Nouns** के अन्तर्गत आते हैं। अतः इनके पहले **a/an** का प्रयोग किया जाता है।

Examples :
- Ram wants to become **a** historian.
- They got into **a** boat.
- I must give **an** answer to the question.

Examples :

- You should take (have) a rest for **an** hour.
- Everybody needs **a** holiday.
- Deepak went out on such **a** cold morning.
- It was bad weather.
- It was **a** bad climate.
- Everyone likes **a** comfortable journey.
- Everyone likes comfortable travel.
- Your father gets **a** good salary.

IX. **Radio** और **wireless** के प्रयोग से पहले **'the'** लगाया जाता है परन्तु इसी प्रकार के संचार-माध्यम 'telephone' से पहले 'by' लगाने पर 'the' का use वर्जित हो जाता है।

Examples :

- I received a missed on **the** wireless. (✓)
- I use to hear F.M. on **the** radio. (✓)
- I talked to her by **the** telephone. (×)
- I talked to her by telephone. (✓)

X. **Kind of, sort of, type of** के बाद आने वाले Noun के पहले Article का प्रयोग नहीं होता है।

Examples :

- What **kind** of dress do you like ?
- I don't like this **sort** of man.

NOTE

जब kind of, sort of, type of से विशेष गुण/योग्यता (quality, capacity or qualification) का बोध होता है, या वाक्य interrogative हो तब इसके बाद आने वाले Noun के साथ a/an अवश्य प्रयोग होता है, जैसे–

- What kind of an artist is he ?
- What sort of a book is this ?

XI. जब किसी Noun के पहले Possessive Adjective (my/our/your/his/her etc.) और Demonstratives Adjective (this/that/these/those etc.) का प्रयोग हो तो उस Noun के पहले Article का प्रयोग नहीं किया जाता है।

Examples :

- This is my book. (✓)
- This is a my book. (×)
- I like this car. (✓)
- I like the this car. (×)

6. Use of Some Important Determiners

I. Some, any
II. Older, elder
III. Few, a few, the few
IV. Little, a little, the little
V. Much, many
VI. All, whole
VII. Less, fewer
VIII. Each, every
IX. Either, neither
X. Many, many a, great many
XI. Enough

Usage

I. Some/Any

(i) Some को use किया जाता है।

- Countable nouns के साथ जहाँ उसका अर्थ है थोड़ा या थोड़ी मात्रा में (a little, a small quantity.)
- ऐसे Questions में जिनमें request show होती है। *e.g.*
- Do you have **some** water ?
- Will you buy **some** fruit from me ?

Some का use affirmative sentence में किया जाता पर इसे negative nature के Question में use किया जा सकता है।

Examples :

- Can't you spare **some** time for my job ?
- Haven't I given you **some** money for shopping purpose ?

(ii) 'Any' used किया जाता है–

- Negative sentence में *e.g.*
  There isn't **any** sugar in kitchen.
- Interrogative sentence में *e.g.*
  Are there **any** students in the class ?
- 'Hardly', 'Scarcely' and 'barely' After 'hardly', and 'barely', के साथ *e.g.*
  I have **hardly any** money.
- After 'if'
  If you have **any** problem, please tell me.

II. Older, Elder

(i) **Older** (and oldest) के साथ persons, animals and things का प्रयोग किया जाता है।

Examples :

- You are **older** than me.
- This building is **older** than that one.
- My father is the **oldest** member of the club.
- I have seen the **oldest** playground of Asia.

NOTE

Older (and oldest) refers to the persons who do not belong to the same family.

(ii) **Elder** (and eldest) का प्रयोग एक ही family members के साथ किया जाता है, परन्तु इसका प्रयोग किसी वस्तु के साथ नहीं किया जाता।

Examples :

- My **elder** brother is a doctor.
- I am the **eldest of** all my brothers.

'Elder' and 'Older' is not followed by, 'than'. In some cases, it may be followed by 'to'

Example :

- She is **older/elder** to me.

III. Few, A few, The few

(i) **few** कुछ की : few negative है और Many का विपरीत है। अर्थात् इसके साथ plural noun का प्रयोग होता है।

Example :
- We get **few** holidays in winter.

(ii) **A few** कुछ : a few क्रम का Positive है। इसका अर्थ है थोड़ी सी

Examples :
- Only **a few** boys passed the test.
- He returned from America after **a few** days.

(iii) **The few** जो कुछ बचा है सब कुछ (पर्याप्त) : "The few" दो Statements प्रदर्शित करता है।

- नकारात्मक - सकारात्मक। इसका अर्थ है :
- अधिक नहीं परन्तु - जितने भी हैं

Examples :
- He lost **the few** books that he borrowed from me.
- **The few** poems that he wrote, are very popular.

IV. Little, A little, The little

(i) **Little** : Little negative है। इसका अर्थ है कुछ नहीं और 'न' के बराबर

Example :
- There is **little** hope of his success.

(ii) **A little** : a little 'सकारात्मक' है। इसका अर्थ है थोड़ी–सी मात्रा

Examples :
- **A little** knowledge is a dangerous thing.
- Please get me **a little** of it.
- Will you stay here **a little** longer ?

(iii) **The little** : 'मात्रा को दिखाता है। इसका अर्थ है जो कुछ थोड़ा' (पर्याप्त)

Examples :
- **The little** money I had was spent by me in purchasing this medicine.
- His **the little** knowledge of swimming saved him today.

NOTE

Few और little, a few, a little तथा the few और the little के अर्थ में अन्तर नहीं है, क्योंकि इनसे क्रमशः 'कुछ नहीं, कुछ तथा जो कुछ थोड़ा' का बोध होता है, Grammar की दृष्टि से इनमें अन्तर यह है कि few/a few/the few के साथ Plural Countable Noun का प्रयोग होता है तथा little/a little/the little के साथ Singular Uncountable Noun का। जैसे–

- I have less friends and fewer milk than Ram.

यहाँ less के बदले fewer और fewer के बदले less का प्रयोग होना चाहिए।

V. Much, Many, Many a, a great many

(i) **Much :** मात्रा को दर्शाता है।

Example :
- There is not **much** sugar in the pot.

(ii) **Many :** संख्या दर्शाता है।

Examples :
- **Many** ladies were standing in the queue.
- I have **many** frocks for you.

(iii) **Many a**–इसके साथ 'Singular noun' और 'Singular verb' का प्रयोग होता है। इसका अर्थ है कई बार 'एक व्यक्ति' या 'एक वस्तु' कई बार एक अतिथि बिना dinner किये चला जाता है। (अर्थात् बहुत सारे अतिथियों में से एक अतिथि)

Examples :
- **Many a** guest was returning without taking dinner.

- **A great many**—इसका प्रयोग many के समान होता है। बहुत से लोगों ने show का आनन्द उठाया।

Examples :
- **A great many** people enjoyed the show.

VI. All, The whole

(i) **All** : all बहुत सी चीजों को एक साथ दिखाता है।

Example :
- **All** men are mortal.
- **All** the boys were making a noise.

(ii) **'The whole'** : इसका proper noun से पहले प्रयोग किया जाता है।

Examples :
- **The whole** of the country paid homage to the soldiers died in Kargil and Drass etc.

VII. Each, Every

(i) **'Each'** का प्रयोग दो व्यक्तियों या वस्तु में से किसी एक के लिये किया जाता है।

Examples :
- **Each** man should do exercise to stay fit.
- **Each** boy of the class received gifts on the eve of Children's Day.
- There were two racing cycles. That cost Rs. three hundred **each**.

(ii) **Every :** Every का प्रयोग बहुत से व्यक्तियों या वस्तुओं के एकवचन के लिये प्रयोग होता है।

Examples :
- He goes for morning walk **every** day.
- **Every** man dies in this world.

VIII. Either, Neither

(i) **Either :** 'Either' means one of the two or both.

'Either' का अर्थ है दोनों में से एक या दोनों

Examples :
- There are shady trees on **either** sides of the road.
- You have to choose one book : **either** this one or that one.
- He can write with **either** hand. (both)

(ii) Neither : 'Neither' is the negative of 'either.' 'Neither' 'either' का विपरीत है।

Examples :
- I can speak on **neither** side.
- **Neither** you nor he did the work.
- **Neither** of the two books is cheap.

IX. Enough

'Enough' का प्रयोग हम एकवचन या बहुवचन दोनों में ही करते हैं। यह पर्याप्त का sense दिखाता है।

Examples :
- I have **enough** money to buy all the books.
- You have **enough** time to think over it.
- There are **enough** fruits in the basket.

जब इसका use noun से पहले और adjective के बाद होता है। तब यह 'इतना अधिक' का sense दिखाता है।

Examples :
- He is stupid **enough** to believe all.
- I am tired **enough** to have a sound sleep.

Important Questions

Direction (Q. No. 1 to 15)

Fill in the blanks by choosing the appropriate articles :

1. Ritu is ..... most active girl in ..... family.
(A) the, a (B) the, the
(C) a, the (D) a, a

2. '.....sun rises in ..... east.'
(A) A, the (B) The, the
(C) The, a (D) An, a

3. Honesty is ..... best policy.
(A) an (B) the
(C) a (D) none of them

4. Every country has ..... parliament.
(A) the (B) an
(C) a (D) None of these

5. He is ..... honour to his country.
(A) an
(B) a
(C) the
(D) all are correct

6. The children found ..... egg in the nest.
(A) an (B) the
(C) a (D) all are correct

7. English is ..... easy language.
(A) a (B) the
(C) an (D) none of them

8. ..... sun shines brightly.
(A) A (B) An
(C) The (D) None of them

9. English is ..... language of ..... people of England.
(A) an, a (B) a, the
(C) the, an (D) an, the

10. Rohit is ..... untidy boy.
(A) an (B) a
(C) the (D) no article

11. He is ..... university student.
(A) a (B) an
(C) the (D) all are correct

12. He reads in ..... H.E. School.
(A) an (B) a
(C) the (D) no article

13. Akshay is ..... open-minded man.
(A) a (B) an
(C) the (D) none of them

14. ..... Ganga is ..... holiest river of India.
(A) A, an (B) The, an
(C) The, the (D) An, the

15. Tajmahal is built of ..... marble.
(A) an (B) a
(C) the (D) no article

Direction (Q. No. 16 to 25)

Choose the correct alternative and fill in the blanks in the following sentences

16. ..... knowledge is a dangerous thing.
(A) little (B) A little
(C) few (D) A few

17. Has he ..... friends in the town ?
(A) much (B) many
(C) little (D) none

18. ..... man has died at sea.
(A) Many (B) Many a
(C) A many (D) None

19. She is ..... hungry.
(A) much (B) too much
(C) very (D) none

20. ..... knowledge of garment-industry proved very helpful to me.
(A) The little (B) Little
(C) A little (D) Smaller

21. He is contented and thus happy because he has ..... cases.
(A) few (B) a few
(C) the few (D) fewer

22. She found a few good cards in a shop and she bought ..... cards last night.
(A) those (B) that
(C) them (D) this

23. All teachers agree that Paresh is the ..... intelligent boy in his class.
(A) more (B) most
(C) mery (D) only

24. She needs ..... more money to buy a new car.
(A) the little (B) little
(C) a little (D) none of these

25. Everybody should obey ..... elders.
(A) its (B) his
(C) this (D) none of these

Answer Key

1. (B) **2.** (B) **3.** (B) **4.** (C) **5.** (A)
6. (A) **7.** (C) **8.** (C) **9.** (B) **10.** (A)
11. (A) **12.** (A) **13.** (B) **14.** (C) **15.** (D)
16. (B) **17.** (B) **18.** (B) **19.** (C) **20.** (A)
21. (A) **22.** (A) **23.** (B) **24.** (C) **25.** (B)